दैनिक नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
RNI NO.CHHHIN/2015/62431 बिलासपुर, शनिवार 01 जनवरी 2022, कृष्ण पक्ष द्वादशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-07 अंक-256 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित www.navpradesh.com

आज बेबाक

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह डरावनी चेतावनी जारी की है कि कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रान के बढ़ते मामले पूरी दुनिया में कोरोना की सुनामी ला सकते है। जिसके कारण स्वास्थ्य सेवाएं तहस नहस हो सकती है और अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। अमेरिका और फ्रांस में हालात बेकाबू होने भी लगे है लेकिन भारत में कोरोना के बढ़ते मामलों के बावजूद न तो सरकार कड़े कदम उठा रही है और न ही जनता सतर्कता बरत रहीं है। चुनावी रैलियों और पर्यटन स्थलों में उमड़ती भीड़ से साफ है कि 2022 में हालात भयावह होने वाले है।

पिछले धान का हिसाब नहीं, किसानों को धान लाने से रोका गया

विशेष संवाददाता

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य में पिछले दो दिनों से हो रही बेमौसम बरसात के कारण कृषि पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। जहां राज्य में धान को बड़ा नुकसान होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं खेतों में सब्जी भाजी की फसल और ग्रीष्मकालीन खेती के लिए की गई बुआई पर भी बुरा असर हो रहा है। राज्य सरकार ने सभी जिले के कलेक्टरों से धान को हो रहे नुकसान का आंकलन करने और किसानों को क्षतिपूर्ति देने की घोषणा की है। लेकिन सरकार को इस बात से सतर्क रहना चाहिए कि इस घोषणा की आड़ में धान संग्रहण से जुड़ा सिस्टम और बिचौलियों को कोई लाभ न हो। धान की क्षति का वास्तविक आंकलन हो और वास्तविक किसानों को ही क्षतिपूर्ति मिल पाएं।

बरसात की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऐलान कर दिया था कि बेमौसम बरसात से यदि किसी किसान को नुकसान होगा तो उसकी क्षतिपूर्ति की जाएगी। इस आशय के आदेश भी कलेक्टर्स को जारी कर दिए गए है। लेकिन यहां यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि गत वर्ष संगहित 92 लाख मैट्रिक टन धान का अंतिम निपटान रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। धान संग्रहण करने वाली और उपार्जित चांवल का उपयोग करने वाली दोनों एजेंसियां मार्कफेड और राज्य आपूर्ति निगम ने अभी तक यह नहीं बताया है कि पिछले वर्ष संग्रहित किए गए 94 लाख मैट्रिक टन धान में से कितनी की कस्टम मिलिंग कराई गई, कितना चावल केन्द्र सरकार को दिया गाया, कितना चांवल राज्य की योजनाओं में खपाया गया तथा पिछले वर्ष भी हुई बारिश, रख-रखाव में कमी सूखत या अन्य कारणों से हुए नुकसान से कितना धान खराब हुआ यह आशंका इसलिए भी उठती है कि सरकार को अंमित समय में जबकि 15 लाख टन धान बचा हुआ था ■ शेष पृष्ठ 7 पर

धान की क्षतिपूर्ति में सतर्कता की जरूरत

अयोध्या में सपा, बसपा, कांग्रेस पर बरसे अमित शाह

जिसमें दम हो वो राम मंदिर निर्माण रोककर दिखाए

अयोध्या (ए.)। भारतीय जनता पार्टी के सीनियर नेता और देश के गृहमंत्री अमित शाह ने अयोध्या में विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि अब किसी में दम नहीं है कि राम मंदिर के निर्माण को रोककर दिखा सकें। उन्होंने सपा, बसपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधते हुए कारसेवकों पर गोली चलवाने का जिक्र किया। शाह ने कहा कि आज के यूपी में माफिया आकर पुलिस के सामने सरेंडर करता है।

अयोध्या पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, 'जो राम मंदिर बनने से रोकना चाहते हैं, मैं उन्हें कहना चाहता हूं। रोक सके तो रोक लें, लेकिन किसी में इतना दम नहीं है। पीएम ने काशी विश्वनाथ कॉरिडोर का पुनर्निमाण किया। औरंगजेब के जमाने में जो बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए जाता, वो मन मसोस कर वापस आता था।'

उन्होंने कहा, 'ये बुआ बबुआ और कांग्रेस पार्टी कभी यूपी का विकास नहीं कर सकती। सपा के शासन में यहां पूरे प्रदेश में गुंडों और माफिया का बोलबाला था। हमारे लोगों को पलायन पर मजबूर कर दिया जाता था। योगी जी की सरकार आने के बाद पलायन करवाने वाले, खुद भाग रहे हैं। पहले माफियाओं से पुलिस डरती थी, जबकि आज माफिया पुलिस के सामने सरेंडर कर रहा है।'

अमित शाह ने कहा, 'ये बुआ-बबुआ के शासन में हमारे आस्था के प्रतीकों का सम्मान नहीं होता था। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी जी हर एक आस्था के स्थान को गौरव प्रदान करने का काम कर रहे हैं। जब देश के जनता ने पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनाई, नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने और आज मैं देख कर आया हूं कि रामलला का मंदिर उसी स्थान पर आज बन रहा है।'

उन्होंने कहा, 'श्रीराम के भव्य मंदिर को बनने से रोकने के लिए कांग्रेस, सपा और बसपा ने अपने शासन में ढेर सारे प्रयत्न किए। आप सभी को याद होगा, इन लोगों ने कारसेवकों पर गोली चलाई थी। राम सेवकों पर डंडे बरसाए थें, रामसेवकों को मारकर सरयू नदी में बहा दिया गया था।' इससे पहले अमित शाह ने हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन किया।'

शाह ने कहा, 'इस भूमि ने वर्षों तक प्रभु श्रीरामलला के जन्मस्थान के लिए संघर्ष किया है। यहां अनेक बार विनाश भी हुआ, निर्माण भी हुआ। मगर हर बार विनाश पर निर्माण ने विजय प्राप्त की। भाजपा की सरकार में अयोध्या को अपना प्राचीन गौरव वापस दिलाने का काम किया है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम के नाम से जोड़कर श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बन रहा है जो दुनिया के सभी स्थानों से राम भक्तों को अयोध्या लाने का काम करेगा।'

पुलिस बस पर हमले का लिया बदला

कश्मीर में सुरक्षा बलों ने ढेर किए 9 आतंकी

■ इस साल मारे गए 182

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों पर सुरक्षा बलों ने बड़ी चोट की है। श्रीनगर के पंथा चौक में पिछले दिनों पुलिस बस पर हमला करने वाले 9 आतंकियों को सुरक्षा बलों ने 24 घंटे में ढेर कर दिया है। ये सभी आतंकवादी जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन में शामिल थे। पंथा चौक एनकाउंटर में तीन आतंकवादियों को आज सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। इस दौरान 4 सुरक्षाकर्मी भी जख्मी हुए हैं। कश्मीर पुलिस के आईजी विजय कुमार ने बताया कि इससे पहले बीते 24 घंटे में दो और मुठभेड़ हुई थीं, इनमें 6 और आतंकी मारे गए थे। इन आतंकियों में से दो पाकिस्तानी आतंकवादी थे। इनके पास से बड़ी मात्रा में गोला बारूद भी बरामद हुआ है।

इस बीच केंद्र शासित प्रदेश के डीजीपी दिलबाग सिंह ने कहा कि इस साल अब तक 100 सफल ऑपरेशन हो चुके हैं। इनमें अब तक कुल 182 आतंकियों को मार गिराया गया है। उन्होंने कहा कि इस साल 134 स्थानीय युवा आतंकवाद की राह पर चले गए थे। इनमें से 72 मारे गए हैं, जबकि 22 को गिरफ्तार किया गया है।

सूर्योदय

उदय : 7.15 प्रातः

अस्त : 5:36 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,917,099,890

भारत : 1,400,690,990

बाजार

सेंसेक्स : 58,253.82

निफ्टी : 17,354.05

गोल्ड : 47,250 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 62,200 प्रति किग्रा

अण्डा दर : 5.16 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	27.6	12.6
बिलासपुर	27.1	12.6
जगदलपुर	22.6	08.3
अंबिकापुर	27.8	10.8

आज का दिवस

वैश्विक परिवार दिवसः वैश्विक परिवार दिवस हर वर्ष पहली जनवरी को मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य विश्व शांति है। इस दिन परिवार को लोग साथ आयें और एकजुट समाज की रचना करें, यही इस दिवस का उद्देश्य है। वैश्विक परिवार दिवस की शुरुआत कब हुई इस पर विवाद है, लेकिन संयुक्त राष्ट ने 1997 में इस दिवस को मनाने की घोषणा की।

बंगाली नाटक के लिए मंत्री ब्रत्य बसु को भी मिला साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने साल 2021 के लिए कल पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। इनमें सबसे अधिक कविता की सात पुरस्कारों की घोषणा हुई है। इसके अलावा दो उपन्यासों, पांच लघु कथाओं, दो नाटकों और जीवनी, आत्मकथा, आलोचना और महाकाव्य कविता के लिए एक-एक पुरस्कार की घोषणा की गई है। पुरस्कार पाने वालों में तृणमूल कांग्रेस के विधायक ब्रत्य बसु और प्रसिद्ध लेखिका नमिता गोखले भी शामिल हैं।

कोविशील्ड वैक्सीन को मिलेगा फुल अप्रूवल

■ सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने भारत सरकार के पास भेजा आवेदन

नई दिल्ली (ए.)। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने अपने कोविड-19 वैक्सीन कोविशील्ड की पूर्ण मंजूरी के लिए देश के दवा नियामक और स्वास्थ्य मंत्रालय को आवेदन किया है। बता दें कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कोविशील्ड ब्रांड नाम के तहत एस्ट्राजेनेका के कोविड-19 वैक्सीन का उत्पादन करती है।

भारत को 1.25 बिलियन से अधिक खुराक की आपूर्तिः अब तक सीरम इंस्टीट्यूट ने भारत में वैक्सीन की 1.25 बिलियन से अधिक खुराक की आपूर्ति की है। सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला ने ट्विटर पर कहा कि भारत सरकार के पास अब पूर्ण बाजार प्राधिकरण यानी फुल मार्केट ऑथराइजेशन पर विचार करने के लिए पर्याप्त डेटा है। सीरम इंस्टीट्यूट ■ शेष पृष्ठ 7 पर

ओमिक्रॉन के अब तक 1270 केस

भारत में कोरोना वायरस के नए मामलों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 16,764 नए मामले सामने आए हैं। वहीं, इस वायरस के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के केस 1270 तक पहुंच गए हैं। 450 मामलों के साथ महाराष्ट्र सबसे ऊपर है। उसके बाद दिल्ली में 370 मामले और केरल 100 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, ''पिछले 24 घंटों में 66,65,290 वैक्सीन खुराक के प्रशासन के साथ, भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 144.54 करोड़ से अधिक हो गया है।

सीएम ने कहा - विभाजन के लिए गांधी नहीं जिन्ना और सावरकर जिम्मेदार

गांधी हमारे अभिमान कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल 'गांधी हमारे अभिमान' कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके साथ इस कार्यक्रम में सूबे के कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, उद्योग मंत्री कवासी लखमा, मंत्री शिव डहरिया भी मौजूद है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी मौन प्रदर्शन किया।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी परंपरा में सभी शामिल होते हैं, दो दिन का धर्म संसद था जिसमें धार्मिक बातें होती हैं, हम किसी की आलोचना नहीं करते, सुधार की बात करते हैं।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हमने आपत्तिजनक भाषा का विरोध किया, कालीचरण के पीछे क्या उद्देश्य था ये हमें नहीं पता महापुरूषों ने महात्मा गांधी के बारे में क्या कहा वो महत्वपूर्ण है, टैगोर जी के खिलाफ बोलने वाले ये कौन होते है। नफरत फैलाने वालों से सावधान रहने की जरूरत है, ऐसे लोग समाज के लिए कोढ़ है।

उन्होंने कहा कि सुभाष चंद्र बोस के विचार महात्मा गांधी से अलग थे, वैचारिक मतभेद थे लेकिन रंगून से रेडियो के जरिए उन्होंने महात्मा गांधी को राष्ट्रपिता कहा था। आइंस्टीन ने गांधी जी को लेकर कहा था कि भविष्य की पीढ़ियों को यह बात यकीन करने में मुश्किल ■ शेष पृष्ठ 7 पर

14 दिन के न्यायिक हिरासत में भेजे गए कालीचरण

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में आयोजित धर्म संसद में महात्मा गांधी पर आपत्तिजनक टिपण्णी करने वाले कालीचरण महाराज की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही। रिमांड खत्म होने से एक दिन पहले ही पुलिस कालीचरण को लेकर अदालत पहुंची, जहां से उन्हें 13 जनवरी तक के लिए हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि 3 जनवरी को मामले पर अगली बहस की जाएगी।

पुलिस ने कस्टडी में रखकर राजद्रोह के आरोपी कालीचरण से पूछताछ की। कालीचरण से महात्मा गांधी पर अमर्यादित बयान देने से लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड करने तक के पीछे की मंशा पर तमाम बिंदुओं पर पूछताछ की गई। पूछताछ दौरान के दौरान रायपुर पुलिस के आला अधिकारी और टिकरापारा पुलिस मौजूद थे।

पुलिस ने कालीचरण को पूछताछ के बाद शुक्रवार को प्रथम श्रेणी न्यायायिक मजिस्ट्रेट चेतना ठाकुर की अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें अगले 14 दिन यानी 13 जनवरी तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजने का फैसला सुनाया गया।

कालीचरण महाराज की जमानत की याचिका भी उनके वकील ने शुक्रवार को दायर किया है जिस पर सुनवाई के लिए 3 जनवरी की तारीख अदालत ने मुकर्रर की है। इधर कालीचरण ■ शेष पृष्ठ 7 पर

पति के साथ रहने पर पत्नी को मजबूर नहीं किया जा सकता : हाईकोर्ट

दिल्ली। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी महिला को अपने पति के साथ रहने और संबंध बनाने के लिए कोर्ट के आदेश द्वारा भी मजबूर नहीं किया जा सकता. एक स्थानीय परिवार न्यायालय के फैसले को पलटते हुए कोर्ट ने यह आदेश दिया है.मुस्लिम परिवार से संबंधित एक मामले में गुजरात हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है. अदालत ने कहा कि मुस्लिम कानून बहुविवाह की इजाजत देता है लेकिन इसे प्रोत्साहित नहीं करता. कोर्ट ने कहा कि इस कानून के आधार पर किसी महिला को पति के साथ रहने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता और पहली पत्नी अपने पति के साथ रहने से इनकार कर सकती है. कोर्ट ने टिप्पणी की, भारत में जो मुस्लिम कानून लागू किया जाता है, उसमें ■ शेष पृष्ठ 7 पर

प्रतिक्रिया — **कालीचरण की गिरफ्तारी के बाद सोशल मीडिया में चल रही बयानबाजी का दौर**

धर्म के नाम पर असंगत बयानबाजी वालों पर भी हो कार्रवाई

विशेष संवाददाता

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में हुई धर्म संसद में महात्मा गांधी को गाली देने और हत्यारे नाथूराम गोड़से को महिमामंडित करने वाले कालीचरण को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है लेकिन उनकी गिरफ्तारी के बाद से सोशल मीडिया और राजनैतिक क्षेत्रों में तीव्र प्रतिक्रिया आ रही है। जिसमें जाने अनजाने लोग अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। इस मामले में राज्य की पुलिस को इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि गांधी जी पर की गई टिप्पणी के समर्थन में जो लोग सोशल मीडिया में भी गांधी जी पर अपशब्दों पर टिप्पणीयां कर रहे है और इस मामले में आरोपी कालीचरण को समर्थन दे रहे है उन पर भी वह क्या कार्यवाही कर सकती है ताकि इस तरह की कार्यवाहियों को बल देने वालों को भी रोका जा सके।

महात्मा गांधी पर कालीचरण की टिप्पणी सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रा के दायरे में आलोचना तो आती है लेकिन गाली देना या अपशब्द कहना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आता। यदि किसी को नाथूराम गोड़से पसंद है और वो उसकी पूजा अर्चना करना चाहते है तो यह उनका व्यक्तिगत मामला हो सकता है लेकिन यदि उन्हे नाथूराम गोड़से के बहाने किसी को भी अपशब्द कहने या गाली देने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। धर्म संसद में जो वाक्या हुआ है उसमें भी यही हुआ है। पहली बात तो यह है कि धर्म संसद में देवों और राक्षसों पर चर्चा होनी चाहिए थी लेकिन उसमें जबर्दस्ती राजनीतिक व्यक्तियों की चर्चा की गई और अब जब उसे जुर्म करार दे दिया गया है तो कुछ लोग धर्म की आड़ लेकर विभिन्न तरह की बयानबाजियां कर रहे है।

मध्यप्रदेश के गृहमंत्री ने भी गिरफ्तारी पर सवाल उठाएं है जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने गिरफ्तारी को कानूनी रूप से सही बताया है। यहां पर यभी उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि जिन लोगों को भी इस गिरफ्तारी से तकलीफ है उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि गांधी को गाली देने का क्या वे समर्थन करते हैं। उन्होंने पहले भी कहा था कि राज्य में किसी भी तरह की उकसाने वाली और धर्म प्रायोजित भड़काऊ गतिविधियों को पनपने नहीं दिया जाएगा। चूंकि मामला अब न्यायालयीन हो चुका है इसलिए इसपर अनर्गल बयानबाजी करने के बजाय भारतीय न्याय व्यवस्था पर विश्वास रखना चाहिए।

यह तो तय है कि इस मामले में राजनैतिक रंग ले लिया है और इसके राज्य की राजनीति में दूरगामी प्रभाव भी होंगे। लेकिन एक व्यक्ति जो मात्र आठवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त हो और जिसके अभिभवकों ने उसे घर से निकाल दिया हो उसे सिर्फ भगवा वस्त्र धारण करने और साधुओं जैसी भाव भंगिमा बना लेने के कारण संत या महाराज कहा जाना क्या उचित है? क्या सनातन किसी भी धर्मिक मंच से गालियों की उद्घोषणा करने की सहूलियत भी देता है? राज्य में सांप्रदायिक तनाव न फैले यह जिम्मेदारी राज्य शासन की है इसलिए की जा रही कार्यवाही पर नजर तो रखनी चाहिए लेकिन सिर्फ राजनैतिक और अंधश्रद्धा के तहत अनर्गल बयानबाजी भी उतनी ही दोषी है जितना दोष कालीचरण ने किया है।

भारत ने लॉन्च किया न्यूक्लियर पनडुब्बी एस-4

नई दिल्ली। भारत ने विशाखापत्तनम में अपनी तीसरी अरिहंत कटेगरी की परमाणु संचालित पनडुब्बी लॉन्च कर दी है। इसे गोपनीय तरीके से विशाखापत्तनम स्थित गोपनीय शिप बिल्डिंग सेंटर से लॉन्च किया गया है। यह रिपोर्ट ब्रिटेन की पत्रिका जेन्स डिफेंस वीकली ने दी है। भारत ने पहले पनडुब्बी बैलिस्टिक परमाणु पनडुब्बी (SSBN) INS अरिहंत को 2016 में कमीशन किया था। दूसरे अरिहंत को 2014 की शुरुआत में लॉन्च किया गया था। इसे अब तक भारतीय नौसेना बेड़े में नहीं शामिल किया गया है। अरिहंत कटेगरी की सबमरीन रूस की मदद से बनाई जा रही है।

गरमा-गरम

कलेक्टर ने जांचा धान में नमी का स्तर, खरीदी केन्द्रों में पहुंच लिया व्यवस्थाओं का जायजा

■ बरपाली, तुमान, चिकनीपाली, भैंसमा के धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण

कोरबा/नवप्रदेश। कलेक्टर रानू साहू ने जिले के सीमावर्ती बरपाली धान खरीदी केंद्र सहित तीन अन्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने पिछले दो दिनों में हुई बेमौसम बारिश से धान खरीदी केन्द्रों में प्रभावित हुई व्यवस्थाओं का मौके पर जायजा लिया और समिति प्रबंधकों, खरीदी केन्द्र प्रभारियों सहित वरिष्ठ अधिकारियों से मौके पर ही वस्तु स्थिति की प्रत्यक्ष जानकारी ली। कलेक्टर ने खरीदी केन्द्रों पर लगे स्टैकों से तिरपाल हटाकर बारिश से धान के भीगे या सूखे होने की पुष्टि भी की। कलेक्टर ने बरपाली, तुमान, चिकनीपाली और भैंसमा धान खरीदी केन्द्रों में पहुंचकर स्वयं ही बोरो में रखे धान का नमी स्तर आर्द्रतामापी यंत्र से जांचा। उन्होंने धान खरीदी केन्द्रों में प्रबंधकों से बारिश के कारण हुई परेशानियों की भी जानकारी ली। आकस्मिक निरीक्षण किए गए किसी भी केन्द्र में बेमौसम बारिश से भीगा धान नहीं मिला। आकस्मिक निरीक्षण के दौरान जिला सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी एसके जोशी, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं बसंत कुमार सहित अन्य

अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खरीदी केन्द्रों में किसानों से खरीदे गए धान को सुरक्षित रखने के सभी संभव उपाय करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में बारदानों की उपलब्धता और उनकी सुरक्षा के बारे में भी पूछा। जिला सहकारी बैंक के नोडल अधिकारी श्री जोशी ने बताया कि सभी धान खरीदी केन्द्रों में बेमौसम बारिश से धान को बचाने के लिए पर्याप्त संख्या में तिरपाल आदि की व्यवस्था पहले ही कर ली गई थी। बिगड़ते मौसम को देखते हुए तत्काल समिति प्रबंधकों द्वारा खरीदे गए धान के स्टैक को तिरपालों से ढंक दिया गया था। जिससे पिछले दो दिन हुई बेमौसम बारिश में भी जिले में धान भीगने से बच गया। उपपंजीयक सहकारी संस्थाएं बसंत कुमार ने बताया कि जिन-जिन खरीदी केन्द्रों में शेड की व्यवस्था है वहां धान शेड में ही रखा जा रहा है। शेष धान स्टैक लगाकर तारपोलिन से ढंककर चबुतरों पर सुरक्षित किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि धान के स्टैक लगाने से पहले नीचे सूखे भूसे की बोरियों की दो परत भी लगाई गई हैं। अधिकारियों ने यह भी बताया कि बेमौसम बारिश से जिले में भारी मात्रा में धान के भीगने की कोई रिपोर्ट किसी भी समिति से अभी तक नहीं मिली है।

धान उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश : निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने धान खरीदी केन्द्रों से लगातार धान का उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। उन्होंने समितियों की बफर लिमिट के अनुसार ही धान रोकने और अतिरिक्त धान का लगातार डिमांड ऑर्डर जारी करते रहने के निर्देश अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने जारी डिमांड ऑर्डर के आधार पर राईस मिलर्स को भी तत्काल केंद्रो से धान उठाने के लिए कहा। कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि धान का उठाव नहीं होने के कारण धान की असुरक्षा या उसके खराब होने पर संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक और कैश काउंटर खुलेगा : कलेक्टर ने बरपाली के जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा का भी औचक निरीक्षण किया।

न्यूज गैलरी

कलेक्टर की पहल से दो उम्मीदवारों को मिली सरकारी नौकरी

कोरबा/नवप्रदेश। कलेक्टर रानू साहू की पहल पर जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के दो शिक्षित बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी मिल गई है। कलेक्टर कार्यालय से इन दोनों को सहायक ग्रेड-03 के पद पर शासकीय सेवा में नियुक्ति आदेश भी जारी कर दिया गया है। दोनों उम्मीदवारों में से एक पहाड़ी कोरवा जनजाति की महिला और दूसरा बिरहोर जनजाति के पुरूष वर्ग से हैं। ग्राम कदमझरिया, ग्राम पंचायत गढ़-उपरोड़ा निवासी सुश्री राजकुमारी को सहायक ग्रेड-03 के पद पर पोड़ी-उपरोड़ा के तहसील कार्यालय में पदस्थ किया गया है। वहीं ग्राम गेरांव बांसाखर्रा के बरतराम बिरहोर को हरदीबाजार तहसील में नियुक्ति दी गई है। दोनों उम्मीदवारों को सेवा में उपस्थिति से तीन वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखा जाएगा। इन्हें पुनरीक्षित वेतनमान 2017 के वेतन लेवल चार अनुसार प्रतिमाह वेतन तथा शासन द्वारा समय-समय पर देय महंगाई भत्ते भी मिलेंगे।

ग्राम सोंठी में धानी महिला स्वसहायता समूह सक्रिय

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। इस समय धानी महिला स्वसहायता समूह के द्वारा खेतो में बिखरे पैरा का संग्रहण पैरा मशरूम उत्पादन के लिए किया जा रहा है। समूह की अध्यक्ष हेमलता केंवट की अगुवाई में सभी सदस्यों के द्वारा खेतो से पैरा संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। पिछले वर्ष समूह में पैरा मशरूम का उत्पादन कर अच्छी आमदनी की थी। इस वर्ष भी पहले से ही पैरा मशरूम उत्पादन के लिए तैयारी की जा रही है। समूह के सचिव पूर्णिमा पटेल, सदस्य भानमती साहू, कुसूम पटेल, रजनी केंवट, जमुना केंवट, लक्ष्मीन पटेल, सभी ने सहयोग दिया।

विजन 2022 तक जिले को बनाना है एजुकेशन हब : चंदेल

जांजगीर-चाम्पा/नवप्रदेश। विधायक नारायण चंदेल ने विजन 2022 में चर्चा करते हुए कहा कि मैं सदन से सड़क तक इस बात के लिये हर सम्भव प्रयास करूंगा कि जांजगीर-चाम्पा क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज की षीघ्र स्थापना हो इसके साथ ही खोखसा रेल्वे फाटक ओवरब्रीज, चाम्पा नगर के बिर्रा रेल्वे फाटक ओवरब्रिज का निर्माण कार्य विगत 8 वर्षों से जारी है। जनता को शीघ्र समर्पित किया जाएगा। इसी तरह जिला मुख्यालय जांजगीर में बाईपास मार्ग, चाम्पा नगर में बाईपास मार्ग तथा जांजगीर व चाम्पा नगर के बीच हसदेव नदी में नये पुल का निर्माण, जांजगीर से चाम्पा फोर लेन का प्रस्ताव पिछले सरकार से पेडिंग पड़ा है। जिसे मूर्त रूप देने का हर संभव प्रयास किया जायेगा। पीथमपुर में फोर बाई टू लने में बन रहे पुल को अतिषीघ्र जनता को समर्पित करने के लिये तथा स्थानिय लोगों को रोजगार दिलाने, विषेशकर जिले की निजी कंपनियां है वे स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराये इस दिषा में प्रयास करेंगे। इसके साथ ही हम जिला मुख्यालय को एजुकेषन हब के रूप में देखना चाहते है, ये हमारी कल्पना है कि इसे हम 2022 में साकार करने के लिए हर स्तर पर प्रयास करेंगे।

ओमिक्रान के नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए दिशा निर्देश जारी

बीजापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा द्वारा कोविड-19 एवं नये वेरियेंट ओमिक्रान के संक्रमण नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु दिशा-निर्देशों का अनुपालन किये जाने निर्देश जारी किया गया है। जिसके तहत सार्वजनिक स्थानों, कार्यालयों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों में और परिवहन के दौरान हरेक व्यक्ति के लिए मास्क लगाना अनिवार्य है। व्यक्तियों को सार्वजनिक स्थानों पर तथा समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठानों में ग्राहकों के बीच शारीरिक दूरी कम से कम 6 फीट बनाये रखना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक स्थानों पर थूकना नियमानुसार जुर्माना के साथ दण्डनीय होगा। कार्य स्थलों, दुकानों एवं संस्थानों तथा सभी प्रवेश स्थानों पर थर्मल स्कैनिंग, हेंड वॉश या सेनेटाईजर और निकास स्थानों एवं सामान्य क्षेत्रों में हेंड वॉश या सैनेटाईजर रखना अनिवार्य होगा। कार्य स्थल, सामान्य सुविधाओं और मानव संपर्क में आने वाले सभी स्थलों का बार-बार सैनेटाईजेशन करना अनिवार्य होगा। कार्य स्थलों में कर्मचारियों के बीच पर्याप्त दूरी बनाये रखना अनिवार्य होगा। यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा और आगामी आदेश पर्यन्त लागू रहेगा। उक्त दिशा-निर्देशों के उल्लंघन करने पर सम्बन्धितों के विरूद्ध महामारी अधिनियम 1897 तथा भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 188 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

श्री धनवंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर से सबको मिल रही सस्ती दवाईयां

■ कटघोरा के ढेलवाडीह में लगाई गई योजनाओं की विकास फोटो प्रदर्शनी

कोरबा/नवप्रदेश। छग सरकार के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन के जन कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धियों की विकास फोटो प्रदर्शनी विकासखण्डवार लगाई जा रही है। इसी कड़ी में आज विकासखण्ड कटघोरा के ग्राम पंचायत ढेलवाडीह के साप्ताहिक हाट-बाजार में एक दिवसीय विकास फोटो प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी के माध्यम से ढेलवाडीह के ग्रामीण सहित आसपास के गांवों ढपढप, सिंघाली, कसरेंगा एवं लखनपुर में रहने वाले लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर विकास फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में ग्रामीण-युवाओं ने पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली तथा उनसे होने वाले लाभ के बारे में जाना। फोटो प्रदर्शनी में ग्राम ढेलवाडीह के ग्रामीण अश्वनी साहू ने श्री धनवंतरी जेनरिक

मेडिकल स्टोर योजना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा लागू धनवंतरी मेडिकल स्टोर से आम नागरिकों के लिए काफी फायदेमंद है। इस योजना से जेनरिक दवाइयां न्यूनतम 50 प्रतिशत डिस्काउंट रेट पर आसानी से मिल रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके घर में परिवार के सदस्य के लिए बी पी एवं शुगर की दवाइयों की जरूरत हर महीने होती है। बाहर मेडिकल दुकान में यह दवाइयां महंगी मिलती है।

श्री धन्वंतरी मेडिकल स्टोर में यह दवाइयां सस्ती मिल जाने से आर्थिक रूप से काफी बचत होगी।ग्राम पंचायत ढेलवाडीह के ग्रामीण शेख इस्माईल ने विकास फोटो प्रदर्शनी को बहुत ही लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि विकास प्रदर्शनी के आयोजन से हमारे गांव के लोगों सहित आसपास के गांव के लोग भी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। गौठान के माध्यम से गांव के लोगों को विभिन्न आजीविका के काम मिल रहे हैं। इस्माईल ने बताया कि उनकी पत्नी ढेलवाडीह गौठान में गौठान समिति की अध्यक्ष है। सरकार द्वारा गौठान के माध्यम से महिलाओं को सशक्त और स्वावलंबी बनाने का काम किया जा रहा हैं। ढेलवाडीह में आयोजित प्रदर्शनी के माध्यम से शासन के तीन वर्षों के कार्यो को फोटो के माध्यम से लोगों को बताया गया। इस विकास फोटो प्रदर्शनी का ग्रामीण और युवाओं ने अधिक संख्या में आकर अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पुस्तकों, पाम्पलेट का भी वितरण किया गया।

धान खरीदी केन्द्र में अनियमितता, दो केन्द्र प्रभारी निलंबित

■ सक्ती, मालखरौदा, जैजैपुर और डभरा के पर्यवेक्षकों को नोटिस जारी

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। समर्थन मूल्य पर क्रय किए जा रहे धान खरीदी में लापरवाही और अनियमितता बरतने पर पथरिया और पकरिया (झूलन) के केंद्र प्रभारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने पर सक्ती, मालखरौदा, जैजैपुर और डबरा के धान खरीदी पर्यवेक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर जितेन्द्र शुक्ला ने धान खरीदी में लापरवाही बरतने पर संबंधितों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। प्रभारी उप पंजीयक, सहकारी संस्थाएं द्वारा निरीक्षण में प्राप्त कमियों के लिए बैंक शाखा सक्ती के पर्यवेक्षक कमल कटकवार, शाखा- मालखरौदा के पर्यवेक्षक राजेश साहू, शाखा-जैजैपुर के पर्यवेक्षक कौशल साहू एवं शाखा-डभरा के पर्यवेक्षक गजानंद राव को कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के परिपेक्ष्य में कारण बताओ सूचना पत्र जारी

कर 03 दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है। प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं ने बताया कि धान खरीदी केन्द्र में अनियमितता पायी जाने पर धान खरीदी केन्द्र पोरथा के प्रभारी बंशीलाल राठौर को निलंबित किया गया है। प्रभारी उपपंजीयक सहकारी ने बताया कि खरीदी केन्द्र पकरिया (झूलन) के धान खरीदी प्रभारी अमित कश्यप को कार्य से पृथक करते हुए सेवा नियमों के तहत निलंबन की कार्यवाही की जा रही है।

धान को व्यवस्थित रूप से ढंकने के निर्देश :

प्रभारी उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं ने बताया कि आज गुरूवार 30 दिसंबर तक खरीदी केन्द्रों में धान के खराब होने अथवा क्षति होने की जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले के जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों, खाद्य तथा सहकारिता विभाग के अमले को उपार्जन केन्द्रों में उपार्जित धान के सुरक्षित रख-रखाव, धान के स्टेकिंग, पानी निकासी हेतु पर्याप्त डेनेज व्यवस्था, केप कव्हर एवं तारपोलिन से धान को व्यवस्थित रूप से ढके जाने के निर्देश दिये गये है।

1 लाख 4 हजार 165 किशोर-किशोरियों को लगेगा कोविड का सुरक्षा टीका

■ कलेक्टर ने कोविड टीकाकरण का व्यापक प्रचार-प्रसार के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा। कोरोना से बचाव के लिए 15 से 18 वर्ष के किशोर-किशोरियों को 3 जनवरी से कोविड के टीके लगाए जाएंगे। इसके लिए पात्र लाभार्थी एक जनवरी से कोविन एप पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशानुसार स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारियों से पीड़ित 60 वर्ष से अधिक के लोगों को 10 जनवरी से कोरोना वैक्सीन की तीसरी खुराक दी जाएगी। इस वर्ग के ऐसे लोग जिन्हें दूसरी खुराक लिए नौ महीने या 39 सप्ताह पूरे हो चुके हैं, उन्हें तीसरी खुराक दी जाएगी। कलेक्टर ने 3 जनवरी से शुरू होने वाले टीकाकरण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार के के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये है। जांजगीर-चांपा जिले में लगभग 1,04,165 किशोर-किशोरियों कोविड से सुरक्षा के टीके लगाए जाएंगे। किशोर-किशोरियों के लिए केवल को-वैक्सीन टीके का ही विकल्प रहेगा। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर्स और गंभीर बीमारी जैसे हार्ट डिसी, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, बोन मैरो ट्रांसप्लांटेशन, किडनी डिसी, हीमोडायलिसिस, कैंसर, सिकलसेल, एचआईवी एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 10 जनवरी से कोरोना वैक्सीन की तीसरी खुराक दी जाएगी।

4 वार्डों के क्षेत्र कंटेन्मेंट जोन घोषित

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी जितेंद्र शुक्ला ने कोरोना संक्रमित व्यक्ति पाए जाने पर नगर पालिका सक्ती के वार्ड क्रमांक 9, नया बाराद्वार के वार्ड क्रमांक- 5, और 10 , सक्ती तहसील के ग्राम सोंठी के वार्ड क्रमांक- 13 के चिंहाकित क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है।

जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार कंटेन्मेंट जोन में अति आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति तथा अपरिहार्य, स्वास्थगत आपातकालीन परिस्थितियों को छोड़कर कंटेनमेंट जोन में आने-जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। कंटेनमेंट जोन के निवासी बिना अनुमति के अपने घरों से बाहर किसी भी परिस्थिति में नहीं निकलेंगे। चिन्हांकित क्षेत्र पूर्णतः लाकडाउन रहेगा। क्षेत्र के अंतर्गत सभी दुकानें, आफिस एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगामी आदेश तक पूर्णतः बंद रहेंगे। वाहनों के आवागमन पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। अति आवश्यक होने पर पृथक से आदेश प्रसारित किया जाएगा। कंटेनमेंट जोन में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी संबंधित एसडीएम को दी गयी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य निगरानी, सैंपल की जांच आदि की व्यवस्था की जाएगी। कानून-व्यवस्था, कंटेनमेंट जोन को सील करने एवं गश्त करने के लिए आवश्यक पुलिस व्यवस्था के लिए पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कंटेनमेंट क्षेत्र में केवल एक प्रवेश एवं निकास द्वार की व्यवस्था हेतु पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता को दायित्व सौंपा गया है। स्वास्थ्य विभाग के एसओपी अनुसार पीपीई कीट, मास्क उपलब्ध करवाने, घरों का एक्टिव सर्विलांस, मेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था की जिम्मेदारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दी गयी है।

पंचायत के आश्रित ग्रामों के पशुपालक भी पंचायत के गौठान में बेच सकेंगे गोबर

रायगढ़/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार अब ग्राम पंचायतों के आश्रित ग्राम के पशुपालकों का गोबर क्रय उस ग्राम पंचायत के गौठानों में किया जाएगा। कलेक्टर भीम सिंह ने इसके लिए सभी सीईओ जनपद व कृषि विभाग के अधिकारियों को पंचायतों के आश्रित ग्रामों के पशुपालकों को सूचित करने व उनका गोबर विक्रय हेतु गौठानवार पंजीयन के निर्देश दिए है। शासन की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना के सफल क्रियान्वयन से पूरे देश में छत्तीसगढ़ राज्य चर्चा का विषय बना हुआ है। पूर्व में जहॉ गाय के गोबर को अपशिष्ट के रूप में देखा जाता था किन्तु राज्य शासन के योजना के फलस्वरूप आज गोबर से केचुआ उत्पादन एवं वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण से खेतों की उर्वरता को नया जीवन मिला है। यही कारण है कि शासन गोबर क्रय के माध्यम से

पशुपालक को लाभान्वित करने के लिए गौठानों की पहुंच भी आसान बना रही है। जिससे अधिक से अधिक गौ पालक लाभान्वित हो सके और गोबर बेच सके। शासन की मंशानुरूप आज गौठानों के माध्यम से गोबर के बहुआयामी उपयोग से गोधन न्याय योजना को सार्थक किया जा रहा है। पूर्व में गाय के गोबर का उपयोग सामान्य खाद एवं गोबर गैस निर्माण में किया जाता था। लेकिन शासन की योजना प्रारंभ होने से केचुए के माध्यम से वर्मी खाद बना कर जमीन की उर्वरता को प्राकृतिक तरीके से बढ़ाया जा रहा है। गोबर खरीदी के माध्यम से पशुपालकों को जहां आर्थिक लाभ हुआ है वहीं महिला समूहों को वर्मी कम्पोस्ट निर्माण के द्वारा रोजगार मिला है। वर्तमान में गोबर से पेन्ट बनाये जाने का कार्य भी प्रारंभ किया गया है। ग्राम पंचायतों के गौठानों में गोबर खरीदी से पशुपालकों की पहुंच आसान हो जाएगी। इससे पशुपालक द्वारा गोबर की ब्रिकी भी बढ़ेगी।

गोबर ब्रिकी के माध्यम से पशुपालकों के आय में वृद्धि होगी साथ ही वो आर्थिक रूप से मजबूत भी होंगे। आज गौठानों में निर्मित जैविक खाद ने खेतों को रसायनिक खाद से निर्भरता कम की है। जिससे आज खेतों की उर्वरता व उत्पादकता में भी वृद्धि हो रही है।

मिट्टी व स्वास्थ्य के लिए हानिकारक रसायनिक खाद के बीच सस्ते जैविक खाद की उपलब्धता ने किसानों के खेतों में उपलब्ध मिट्टी की उर्वरा शक्ति को भी बढ़ाया है। जिससे किसानों का झुकाव अब जैविक कृषि की तरफ बढ़ा है, क्योंकि जैविक कृषि से किसानों को कम मूल्य में अच्छी उत्पादकता प्राप्त हो रही है।

पढ़ना लिखना अभियान के मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण संपन्न

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। साक्षरता मिशन जांजगीर-चांपा अंतर्गत असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए मोहल्ला साक्षरता कक्षाओं के शतप्रतिशत संचालन हेतु जिले के विकासखण्ड अकलतरा, नवागढ़ जैजैपुर एवं सक्ती के मास्टर मास्टर ट्रेनर्स का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट जांजगीर में आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण का प्रारंभ राज्य गीत ''अरपा पैरी के धार'' का समवेत स्वर में गायन के सांथ किया गया। सर्व प्रथम जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण जांजगीर-चांपा के जिला परियोजना अधिकारी संतोष कश्यप ने प्रौढ़ शिक्षा की अवधारणा एवं पढ़ना लिखना अभियान के तहत् जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने की कार्ययोजना के संबंध में प्रकाश डाला। तत्पश्चात् मनीलाल ब्रम्हणी जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा जांजगीर ने सभी मास्टर टेञ्नर्स को प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने अपने विकासखण्ड में स्वयं सेवी शिक्षकों को जनवरी 2022 के प्रथम सप्ताह में प्रशिक्षण देने के लिए निर्देशित किया। इस प्रशिक्षण में राजीव नयन शर्मा एबीओ नवागढ़ ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कहा। प्रशिक्षिका मीरा देवांगन (राज्य रिसोर्स पर्सन) ने प्रथम सत्र में

साक्षरता क्या है? क्यो जरूरी है? देश के लिए, समाज के लिए, गांव के लिए, स्वयं के लिए साक्षरता की महत्ता समझाते हुए इसकी कार्ययोजन को विस्तार से पावर पाइंट प्रेजेन्टेशन (पीपीटी) के माध्यम से बताया। तृतीय सत्र में गीत के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षक भुवनेश्वर जायसवाल (राज्य रिसोर्स पर्सन) ने द्वितीय सत्र में कक्षा संचालन एवं साक्षरता कक्षा में शतप्रतिशत उपस्थिति हेतु असाक्षरो को प्रेरित करने संबंधी बिन्दुओं पर चर्चा की। चतुर्थ सत्र में मास्टर ट्रेनर्स को चार समूह में बॉट कर एवं उन्हें अलग-अलग विषय देकर गतिविधि कराते हुए प्रदर्शन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। डाइट जांजगीर के नवा जतन कार्यक्रम के जिला नोडल सुरेश कुमार साहू ने बच्चो के उपचरात्मक गतिविधियों के सांथ असाक्षरो के लिए भी ''नवा जतन'' अभियान के माध्यम से प्रौढ़ों को पढ़ाना-लिखाना एवं गणित का ज्ञान दिये जाने पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण में उमाशंकर निर्मलकर, आशा कुर्रे, सुधा शर्मा, पुष्पेन्द्र कश्यप, गीता लहरे, प्रणिता सिदार, ललीस मोहन जायसवाल, धनंजय राठौर, जीतमणी पटेल, भुनेश्वर सिंह, राजेश, मीना रात्रे, ब्रजेश, संजय राठौर, वेद प्रकाश योगेन्द्र, गीता सायतोड़ा, नरेन्द्र, लीलीवती, निर्मला, ललित, अश्विनी कहरा एवं सुनील पटेल, अविनाश पटेल, प्रतिभा रत्नाकर, सनत मिरी, शिवशंकर यादव गणेशी बाई यादव आदि प्रतिभागी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सीएम बघेल ने धान और दाल की देसी किस्मों की मार्केटिंग के लिए स्टार्टअप शुरु करने वाले युवा तरुण साहू की सराहना की

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल से शुक्रवार को उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ के मुंगेली निवासी युवा कृषि स्नातक तरुण साहू ने सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री बघेल को बताया कि उन्होंने कुछ युवाओं के साथ मिलकर 'कृषि युग' नाम से एक स्टार्टअप प्रारंभ किया है, यह स्टार्टअप धान और दालों की देसी किस्मों को सहेजने, उनके संरक्षण और जैविक तरीके से उनका उत्पादन करने का काम कर रहा है। साथ ही देसी उपजों का परम्परागत रुप से प्रसंस्करण कर उन्हें मार्केट में उपलब्ध करा रहा है। मुख्यमंत्री ने श्री तरुण साहू और उनके स्टार्ट अप द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनके स्टार्टअप द्वारा धान, दालों की देसी किस्मों की पैकेजिंग और बिक्री का कार्य एक वर्ष से किया जा रहा है। देसी किस्मों की खुशबू, स्वाद और गुणवत्ता के कारण लोग इन किस्मों को हाथों-हाथ ले रहे हैं। फसलों की हाईब्रिड किस्मों में उत्पादन तो ज्यादा होता है, लेकिन ऐसा स्वाद और खुशबू नहीं रहती। उन्होंने यह भी बताया कि नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में उन्होंने स्टॉल लगाया था, जहां लोगों के बीच उनके उत्पाद काफी लोकप्रिय हुए। इस ट्रेड फेयर में हर माह 3-3 टन कोदो-कुटकी की सप्लाई का आर्डर प्राप्त हुआ है। कृषि युग स्टार्ट अप द्वारा स्थानीय किसानों को जोड़कर उन्हें देसी किस्मों की जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्टार्ट अप द्वारा धान की दुबराज, छत्तीसगढ़ देवभोग, जवाफूल, जीराफूल, लोकतीमांझी, तेलकस्तुरी, समुनचीन, ब्लैक राइस सहित अरहर और कोदो-कुटकी की देसी किस्मों के उत्पादन और मार्केटिंग का काम किया जा रहा है। इस अवसर पर कृषि विभाग के संयुक्त संचालक आरएल खरे भी उपस्थित थे।

राजधानी में फिर शुरू हुई मास्क चेकिंग, पहले ही दिन 290 लोगों पर हुआ जुर्माना

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में एक बार फिर से मास्क चेकिंग अभियान पूरी मुस्तैदी के साथ शुरू हुआ है। पहले ही दिन शहर में बगैर मास्क लगाए घूमने वाले 290 लोगों पर निगम अफसरों ने जुर्माना ठोका है। रायपुर जिला कलेक्टर सौरभ कुमार, निगम आयुक्त प्रभात मलिक के निर्देशानुसार नगर निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न चौक चौराहों में मास्क को लेकर चेकिंग की जा रही है। इस काम के लिए निगम ने महिला स्वसहायता समूहों की महिलाओं को तैनात किया है। जो कोविड 19 प्रोटोकॉल नियमों का जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु परिपालन जनजागरण लाने का भी काम कर रही है।

नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी विजय पाण्डेय ने बताया कि रायपुर जिला कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोविड 19 प्रोटोकॉल नियमों के पालन के लिए मास्क नहीं पहनने वालों के खिलाफअभियान शुरू किया गया है। मास्क नहीं पहनने वालो को समझाईश देने के साथ ही उन पर जुर्माना की भी कार्यवाही की गई है, जिससे भविष्य के लिए वे सतर्क रहे और मास्क का इस्तेमाल करें।

न्यूज गैलरी

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल की पुण्यतिथि के अवसर पर कांग्रेसजनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन रायपुर में आज प्रदेश कांग्रेस, प्रदेश महिला कांग्रेस, प्रदेश सेवादल प्रदेश युवा कांग्रेस,. प्रदेश एनएसयूआई, प्रदेश इंटक एवं समस्त मोर्चा संगठनों प्रकोष्ठों विभागो ने अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. पं. रविशंकर शुक्ल जी की पुण्यतिथि पर उनके छायाचित्र मे पुष्पांजलि ,माल्यार्पण अर्पित कर पुण्य स्मरण किया गया। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, प्रदेश कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल, खनिज विकास निगम अध्यक्ष गिरीश देवांगन, प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कन्हैयालाल अग्रवाल, महमूद अली, निवेदिता चटर्जी, पूजा देवांगन, साक्षी सिरमौर, अनिल मित्तल कांग्रेसजन शामिल हुए।

विस अध्यक्ष डॉ महंत ने प्रदेशवासियों को नूतन वर्ष की दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने नूतन वर्ष 2022 की प्रदेशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए बधाई शुभकामनाएं दी है। विस् अध्यक्ष डॉ महंत ने कहा यह पहली बार है कि, साल शुरू होने से ज्यादा लोगों को 2021 के खत्म होने की खुशी है। कोरोना के प्रकोप के बीच इस साल के गुजरने का इंतजार हर किसी को है। नए साल को लेकर लोगों में काफी सकारात्मक आशाएं हैं। नई उम्मीदें व अरमानों के साथ जो कार्य इस साल नहीं हो पाए उन्हें पूरा करने को लेकर लोगों ने अभी से ही मन बना लिया है। जैसे ही नए साल की शुरुआत के दिन नजदीक आ गये हैं, लोगों का उत्साह और भी बढ़ रहा है मगर कोरोना का नया वेरिएंट ओमिक्रोन का खतरा भी मंडरा रहा है जिससे सावधान रहने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री बघेल ने अपैक्स बैंक के वार्षिक कैलेंडर का किया विमोचन

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपैक्स बैंक) के नववर्ष 2022 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया । इस अवसर पर अपैक्स बैंक के अध्यक्ष बैजनाथ चंद्राकर, वरिष्ठ विधायक रामपुकार सिंह, प्रबंध संचालक केएन पांडेय, उप महाप्रबंधक भूपेश चन्द्रवंशी, प्रबंधक अभिषेक तिवारी एवं लेखाधिकारी प्रभाकर कांत यादव भी उपस्थित थे।

द रायपुर होलसेल टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन के अनुरोध पर केंद्र की मुहर

रायपुर/नवप्रदेश। केंद्र सरकार ने कपड़ा व्यापार में जीएसटी की बढ़त को वापस लेने का फैसला लिया है। अब नए साल से कपडे के दामों में जाने वाली जीएसटी की बढोत्तरी को वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि कपड़ा व्यापार पर 1 जनवरी से प्रस्तावित जीएसटी 12 प्रतिशत किए जाने का प्रस्ताव था, जिसे अब वापस ले लिया गया है। अब पहले की तरह ही कपड़ों पर 5 प्रतिशत ही जीएसटी लगाई जाएगी। वित्त मंत्रालय के फैसले के बाद भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने आभार माना है। उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग का आभार जताया है। साथ ही इस फैसले को व्यापारियों और उपभोक्ता दोनों के हित में लिया गया फैसला बताया है। दरअसल वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान योगेश अग्रवाल के नेतृत्व में 'दी रायपुर थोक कपड़ा व्यापारी संघ' से जुड़े व्यापारीयों ने उनसे मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से इस बढ़ोत्तरी को वापस लेने की आग्रह किया था। वही मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकान्त गर्ग ने केंद्रीय मंत्री से टेलीफोनिक चर्चा के दौरान उन्हें देशभर के कपडा व्यापारियों की ओर से जीएसटी की बढ़ोत्तरी को वापस लेने का आग्रह किया था। इधर केंद्रीय वित्त मंत्रालय के इस फैसले के लिए दी रायपुर थोक कपड़ा व्यापारी संघ के अध्यक्ष चंदर विधानी ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि हम सबने योगेश अग्रवालजी से इस मामलें में चर्चा की थी, फिर उनके नेतृत्व में ही हमने वित्त मंत्री के समक्ष अपनी मांग रखी थी।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर आईडीटीआर और कलिंगा विश्वविद्यालय के स्टाफ ने ली सड़क सुरक्षा की प्रतिज्ञा

रायपुर/नवप्रदेश। 31 दिसंबर को कलिंगा विश्वविद्यालय के स्टाफ नवनिर्मित इंस्टिट्यूट ऑफ़ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक्र रिसर्च (आईडीटीआर) में एक विशेष प्रतिज्ञा ली। यूं तो नववर्ष में हर कोई अपने मन के मुताबिक एक प्रतिज्ञा लेता है ,पर इस अनोखी पहल के माध्यम से इस बार कलिंगा विश्वविद्यालय के 150 स्टाफने सड़क को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिज्ञा ली।

सड़क हादसों में 50ः से भी अधिक जाने बचायी जा सकती है यदि वाहन चलाते समय ड्राइवर ने हेलमेट अथवा सीट बेल्ट पहना हो, सभी स्टाफने यह प्रण लिया की वो वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और हेलमेट धारण अवश्य करेंगे।

इंस्टिट्यूट ने इस अवसर पर एक सड़क सुरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया है जिसमें सभी सम्मिलित प्रशिक्षियो को यातायात के नियम, यातायात नियमो में हो रहे उल्लंघन और उसका दुष्प्रभाव, सड़क दुर्घटनाओं में हो रही वृद्धि के कारण एवं निवारण की जानकारी दी गई।

इस विशेष पहल का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है की कलिंगा विश्वविद्यालय के सभी स्टाफ सड़क को सुरक्षित रखने के लिए छात्रों को भी प्रेरित करेंगे। इसके अलावा कलिंगा विश्वविद्यालय ने सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने समस्त बस चालकों को नवनिर्मित इंस्टिट्यूट ऑफ़ड्राइविंग एंड ट्रैफिक्र रिसर्च में दो दिवसीय स्कूल बस चालान एवं नियमो का रेफ्रेशर ट्रेनिंग देने का निर्णय लिया है।

कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ संदीप गाँधी ने जोर देते हुए बस चालकों की ट्रेनिंग को अतिशीघ्र करने का निर्णय लिया है। जल्द ही विश्विद्यालय पूर्ण उपस्तिथि के साथ आरम्भ होगा और सभी छात्र - छात्रों एवं स्टाफ की सुरक्षा की दृष्टि में बस चालकों की ट्रेनिंग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नववर्ष में कलिंगा विश्विद्यालय छात्रों को इंस्टिट्यूट ऑफ़ड्राइविंग एंड ट्रैफिक्र रिसर्च में विधिवत चालक प्रशिक्षण के लिए भी प्रोत्साहित करेगा।

17 करोड़ की लागत से बने इंस्टिट्यूट ऑफ़ड्राइविंग एंड ट्रैफिक्र रिसर्च का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 9 दिसंबर 2021 को किया गया था।

(आईडीटीआर) के निदेशक श्री अमित गुप्ता ने बताया कि इंस्टिट्यूट प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक तकनीक से लैस है द्य यहाँ 5 स्मार्ट क्लासरूम में 250 से अधिक प्रशिक्षार्थियों के ट्रेनिंग की व्यवस्था की गयी है द्य प्रशिक्षण में ऑडियो वीडियो ट्रेनिंग के माध्यम से बहुत ही सरल तरीके से प्रशिक्षुओं को सड़क के नियमो की जानकारी दी जा रही है। यहाँ आधुनिकतम शैली के सिम्युलेटर उपलब्ध है जो बिना दुर्घटना का तनाव दिए आसानी से वाहन को कैसे नियंत्रित करना चाहिए सीख जाते है।

सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करते हुए ट्रैक का निर्माण किया गया है, न सिर्फ फॉरवर्ड ड्राइविंग अपितु रिवर्सिंग एवं पार्किंग जैसे मुख्य ड्राइविंग कौशल पर धयान दिया जा रहा है द्य पार्किंग की समस्या को सुगमता से सुलझाने के लिए पैरेलल पार्किंग, परपेंडिकुलर पार्किंग, हैच ट्रैक, इंस्टिट्यूट में ट्रेनिंग के माध्यम से ड्राइविंग के इन अनछुए पहलू को भी सहजता से सीख पा रहे है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कलिंगा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. आर. श्रीधर द्वारा की गयी। इस कार्यक्रम का आयोजन कलिंगा विश्वविद्यालय के एनएसएस विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती स्मिता प्रेमानंद एवं एनएसएस संयोजक डॉ. कोमल गुप्ता द्वारा करवाया गया तथा कलिंगा विश्वविद्यालय के सभी स्टाफ ने बढ़-चढ़कर इस कार्यक्रम में भाग लिया।

दिवंगत देवव्रत सिंह की दूसरी पत्नि ने जताई हत्या की आशंका

खैरागढ़ रियासत विवाद ने लिया नया मोड़

रायपुर/नवप्रदेश। खैरागढ़ रियासत का विवाद अब बढ़ता ही जा रहा है। इस मामले में खैरागढ़ राज परिवार के उत्तराधिकारी और राजा देवव्रत सिंह के निधन के बाद उनकी विधवा पत्नी विभा सिंह ने पूर्व पत्नी पदमा देवी पर गंभीर आरोप लगाए है। विभा सिंह ने संपत्ति को लेकर पदमा देवी के द्वारा उन पर जानलेवा हमला करने की बात कही है। राजधानी रायपुर में पत्रकार वार्ता लेकर विभा सिंह ने इस बात का भी उल्लेख किया कि इस मामले में पुलिस प्रशासन से कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। विभा सिंह ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 30 दिसंबर को उदयपुर पैलेस को खोलने के लिए प्रशासनिक अमले ने उन्हें बुलवाया था, जिसमें दूरभाष के जरिए उन्हें यह सूचना दी गई थी कि यदि वे नहीं पहुंचते हैं तो पैलेस का ताला तोड़ दिया जाएगा। जिस बात पर आनन-फानन में विभा सिंह वहां पहुंची। उन्होंने आरोप लगाया कि उदयपुर पैलेस पहुंचने पर पहले ही पदमा देवी के इशारे पर वहां गुंडे और भीड़भाड़ इकट्ठा कर मेरे खिलाफमाहौल तैयार किया जा चुका था। उन्होंने कहा कि इस दौरान मेरी गाड़ी पर भी पथराव किया गया और मुझ पर भी जानलेवा हमला किया गया।

कानूनन हो चुका है तालाक

विभा सिंह ने इस बात का जिक्र करते हुए बताया कि स्व देवव्रत सिंह ने अपनी पूर्व पत्नी पदमा देवी को 11 करोड रुपए और नोएडा में एक बंगले के साथ विधिवत तलाक दिया था। बावजूद इसके उनकी संपत्ति को हड़पने की नीयत से भी दिल्ली से खैरागढ़ आकर अवैध रूप से निवास कर रही है और लगातार षड्यंत्र कर राजमहल में प्रवेश करना चाहती है।

पुलिस नहीं कर रही कार्यवाही

स्व. देवव्रत सिंह की पत्नी विभा सिंह ने पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पथराव के दौरान पुलिस ने कोई भी कार्यवाही नहीं की। विभा सिंह ने कहा कि 8 से 10 गाड़ियों में वहां तोड़फ ड़ हुई मेरी गाड़ी में पूर्व नियोजित षडयंत्र के तहत जमकर पत्थरबाजी की गई, लेकिन इस मामले में प्रशासन ने कोई भी कार्यवाही नहीं की।

आपदा पीड़ितों को 68 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा विभिन्न प्राकृतिक आपदा से पीड़ितों को जिला कलेक्टर के माध्यम से आर्थिक सहायता स्वीकृत की जाती है। ऐसे ही 17 प्रकरणों में 68 लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत जांजगीर चांपा जिले के अंतर्गत तहसील पामगढ़ के ग्राम भुईगांव की श्रीमती दिलबाई की मृत्यु अग्नि दुर्घटना से, ग्राम सिल्ली के राजेश की मृत्यु पानी में डूबने से, ग्राम बुन्देला के राजकुमार पटेल की मृत्यु सर्पदंश से होने पर मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। तहसील मालखरौद के ग्राम चरौदी के पुनीराम की मृत्यु सर्पदंश से, ग्राम किरारी के श्री अशोक कुमार और ग्राम अवरितपाली के टेंगुन चन्द्रा की मृत्यु पानी में डूबने से होने पर मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। तहसील अकलतरा के ग्राम पकरिया (सलन) के ओंकार कश्यप की सर्पदंश से, तहसील जांजगीर के ग्राम आमोदा के लाखन लाल यादव की मृत्यु आकाशीय बिजली गिरने से और तहसील बाराद्वार के ग्राम गुढ़वा के नंद कुमार की और ग्राम नया बाराद्वार की कमला बाई की पानी में डूबने के कारण मृत्यु हो जाने से मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए की आर्थिक सहायता राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत स्वीकृत की गई है। जिला बस्तर के अंतर्गत तहसील लोहण्डीगुड़ा के ग्राम साडरा निवासी सोमारू मंडावी की मृत्यु सांप काटने से, ग्राम दाबपाल निवासी झिमटू की मृत्यु पानी में डूबने से, ग्राम बाघनपाल निवासी शंकर मौर्य की मृत्यु पानी में डूबने से और तहसील बास्तानार के ग्राम लालागु ड़ा निवासी सितू की मृत्यु पानी में डूबने से, ग्राम बास्तानार के निवासी सोमारी की मृत्यु सांप काटने से एवं ग्राम बड़े किलेपाल के निवासी चौतो पोयाम की मृत्यु पानी में डूबने से होने के कारण मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि की स्वीकृति दी गई।

छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार, कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी नियंत्रण की जिम्मेदारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में बढ़ते कोरोना संक्रमण से जिला प्रशासन हरकत में आ गया है। कलेक्टर सौरभ कुमार ने नोवल कोरोना वायरस के नया वेरियंट ओमिक्रॉन तथा कोरोना पॉजिटिव प्रकरणों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए निर्देश जारी कर दिया हैं। इसके तहत नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए अधिकारियों के विभिन्न दायित्व सौंपते हुए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाने हेतु अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, एनआर साहू तथा शासकीय अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट निर्माण प्रगति नियंत्रण संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। इसी तरह विदेशों से आने वाले लोगों की टेस्टिंग एवं होम आइसोलेशन सुनील चंद्रवंशी, अपर आयुक्त, नगर पालिक निगम, रायपुर, कोविड-19 के संबंध में मीडिया ब्रीफिंग के लिए दिप्ती वर्मा, डिप्टी कलेक्टर, कोरोना वायरस से संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आने वाले व्यक्तियों की ट्रेसिंग एवं आवश्यक समन्वय के लिए मुकेश कोठारी, डिप्टी कलेक्टर, शासकीय अस्पतालों में बेड, दवाईयां, चिकित्सकीय सामग्री की उपलब्धता एवं संसाधनों के उपलब्धता की आंकलन के लिए मुख्य चिकित्सा एवं अधिकारी, डॉ. मीरा बघेल को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

संपादकीय

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी...

विश्व के लभगभ 110 देशों में ओमिक्रान के कोहराम को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी जारी की है कि यदि कोरोना के इस नए वैरिएंट ओमिक्रान से बचाव के लिए कड़े कदम नहीं उठाएं गए तो पूरी दुनिया में कोरोना की सुनामी आ सकती है। स्थिति एक बार फिर भयावह हो सकती है और बड़ी संख्या में ओमिक्रान संक्रमित लोगों के उपचार के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं कम हो सकती है और यही नहीं बल्कि फिर से कई देशों में लंबे समय तक लॉकडाउन लगाने की जरूरत पड़ सकती है और इससे अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों में हालात बिगड़ने लगे है। इससे अन्य देशों को सबक सिखना चाहिए और एहतियाती कदम उठाने चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन की इस चेतावनी को गंभीरता से लेने की जरूरत है। खासतौर पर भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश में तो और भी ज्यादा सतर्कता बरतने की आवश्यकता है क्योंकि हमारे यहां अभी तक सभी को कोरोना की वैक्सीन नहीं लग पाई है। ऐसी स्थिति में कोरोना के इस नए वायरस ओमिक्रान से बचना ही बेहतर विकल्प है किन्तु सरकार की तमाम पाबंदियो के बावजूद लोग मानने की तैयार नहीं है। नए साल का जश्न मनाने पर्यटन स्थलों पर जो हजारों का हूजूम उमड़ा है और उत्तर प्रदेश व पंजाब में होने वाली चुनावी रैलियो में जो लाखों का जनसैलाब उमड़ रहा है उससे कोरोना विस्फोट की संभावना बढ़ने लगी है। ऐसी भीड़ को नियंत्रित करना निहायत जरूरी है। देश के 22 राज्यों में ओमिक्रान ने पांव पसार लिए है जिसमें से दिल्ली और महाराष्ट्र में संक्रमितों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिसके चलते सामुदायिक संक्रमण का खतरा पैदा हा गया है। हर तीन दिन में दोगुने केस होने लगे है। यदि इसी रफ्तार से ओमिक्रान बढ़ता गया तो भारत में कोरोना की तीसरी लहर आने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। केन्द्र सरकार को चाहिए कि वह सभी राज्यों के साथ इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा करें और कोरोना के लिए नई गाईड लाईन जारी करें और उसका कड़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चित करें।

विचार

करवट बदलते दौर में कूटनीति

यह साल कोविड-19 के साए में ही गुजरा। इस महामारी ने हर देश में उथल-पुथल मचाई। स्थिति यह है कि 2020 में बिगड़ चुका वैश्विक संतुलन इस वर्ष भी पटरी पर नहीं लौट सका। साल 2021 की मांग थी कि विश्व की महाशक्तियां आपसी सहयोग से कोविड-19 को खत्म करने की कोशिशें करतीं और हरेक देश की पर्याप्त मदद करतीं। हर महाशक्ति ने यह तो माना कि दुनिया में कोई भी देश महामारी से तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक कि हरेक देश सुरक्षित नहीं होगा, लेकिन इस सिद्धांत पर किसी ने अमल नहीं किया। महाशक्तियों के शीर्ष नेतृत्व ने प्राथमिकता अपने ही लोगों को दी, जिस कारण दुनिया भर में 'टीका असमानता' देखी गई।

भारत ने इसमें अलहदा रुख अपनाया। उसने वर्ष की शुरुआत में ही टीकों का निर्यात शुरू कर दिया, जबकि उसकी अपनी जनता को इनकी जरूरत थी। इससे हमने खुद को एक अच्छा वैश्विक नागरिक साबित किया। बाद में, जब टीकों की घरेलू आवश्यकता बढ़ गई और यह दबाव बना कि टीके निर्यात न किए जाएं, तो विदेशों में टीके न भेजने का अच्छा फैसला लिया गया, क्योंकि दूसरी लहर ने भारत में भयानक तबाही मचाई। वर्ष के अंत तक फिर टीकों को बाहर भेजना आरंभ किया गया, लेकिन ओमीक्रोन का खतरा बढ़ने के बाद एक बार फिर अपनी जनता को अधिक प्राथमिकता देने की जरूरत है।

बहरहाल, सामरिक दृष्टि से यह वर्ष काफी चुनौतीपूर्ण रहा। सबसे बड़ी चुनौती तो चीन के आक्रामक रवैये से मिली। उसने 2020 में ही यह स्पष्ट कर दिया था कि वह अब वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति बनाए रखने के सिद्धांत को छोड़ने को तैयार है। इस साल एलएसी पर स्थिति कुछ सामान्य तो हुई, लेकिन 2020 के अतिक्रमण से पहले की यथास्थिति पर जाने को चीन तैयार नहीं था। भारत-चीन वार्ता में भारतीय प्रतिनिधियों ने यह साफकर दिया कि जब तक वह एलएसी पर शांति बनाए रखने को प्राथमिकता नहीं देगा, तब तक स्थिति सामान्य नहीं हो सकती। नतीजतन, चीन के साथ तनाव चलता रहा, इसलिए एलएसी पर हमें ज्यादा सेना तैनात करनी पड़ी, आगे भी पड़ेगी। वैसे, इस बीच उसने हमारे पश्चिम पड़ोस के देशों के साथ-साथ अन्य करीबी राष्ट्रों में भी अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं। इस साल अफगानिस्तान में तालिबान की जीत से भारत की अफगान नीति को क्षति पहुंची है। दुखद है कि जब ये संकेत दिख रहे थे कि गनी सरकार के हाथ से वक्त फिसलता जा रहा है और भारतीय हितों की सुरक्षा के लिए यह आवश्यक हो गया है कि तालिबान से संबंध बनाए जाएं और बातचीत शुरू हो, तब भारत ने ऐसा करने से परहेज किया। अंत में, जब तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया, तब भारतीय और तालिबानी प्रतिनिधियों में कुछ खुली बैठकें हुईं जरूर, लेकिन अफगानिस्तान में जिस त्वरित और लचीली नीति की दरकार थी, उसका अभाव रहा। इसका फायदा पाकिस्तान और चीन ने उठाया। पश्चिम एशिया में जरूर भारत ने इजरायल, संयुक्त अरब अमीरात के साथ नई पहल शुरू की, जिससे ऐसे संकेत मिले कि भारत इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की अपनी नीतियों में बदलाव कर रहा है, लेकिन नई दिल्ली किस रास्ते पर आगे बढ़ेगी, यह अब भी साफ नहीं हो सका है।

कैसे होता है विदेशों में नव वर्ष का स्वागत?

योगेश कुमार गोयल

चीन में राजधानी बीजिंग सहित सभी नगरों, कस्बों व गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यहां प्रचलित परम्परा के अनुसार नव वर्ष पर लोग रात्रि के समय पैसों का पेड़ बनाकर उसे पुराने सिक्कों व फूलों से सजाते हैं क्योंकि ऐसी धारणा है कि ऐसा करने से पूरा साल उनके यहां धन की वर्षा होगी। स्कॉटलैंड में नववर्ष की पूर्व संध्या पर लोग अपने-अपने घरों में एक ही कमरे में एकत्रित होकर आने वाले मेहमान की प्रतीक्षा करते हैं और मेहमान के आते ही उसका खूब आदर-सत्कार करते हैं। नववर्ष के पहले दिन को यहां 'डेसले डे' के नाम से जाना जाता है। वेटिकन सिटी में इस अवसर पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम होते हैं और नव वर्ष के प्रारंभ होने की प्रार्थना के बाद पोप लोगों को विश्व शांति का संदेश देते हैं। स्पेन में नववर्ष के आगमन के साथ ही ठीक 12 बजे बारह ताजे अंगूर खाने की परम्परा है ताकि वर्ष के पूरे बारहों महीने वे स्वस्थ रहें।

जिस प्रकार भारत में पूरे उत्साह और खूब धूमधड़ाके के साथ विभिन्न प्रांतों में नववर्ष का स्वागत अलग-अलग रीति-रिवाजों एवं परम्पराओं के साथ होता है, वैसे ही कई अन्य देशों में भी अलग-अलग परम्पराओं और मान्यताओं के अनुसार लोग नव वर्ष का स्वागत तथा अभिनंदन करते हैं। हालांकि हर देश में लोग अपनी-अपनी परम्पराओं के अनुसार एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हैं और कुछ देशों में इस अवसर पर राजकीय स्तर पर शाही कार्यक्रमों व समारोहों का विशेष आयोजन भी होता है लेकिन विभिन्न देशों में नव वर्ष का स्वागत करने के तौर-तरीके काफी विचित्रता एवं रोचकता लिए हुए हैं। प्रस्तुत है इसी संबंध में दिलचस्प जानकारी।

अमेरिका में नव वर्ष का स्वागत बड़े उत्साह के साथ किया जाता है। यहां नव वर्ष के स्वागत तथा अभिनंदन के लिए मुख्य समारोह वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में आयोजित किया जाता है। इसके अलावा देशभर में जगह-जगह पर नव वर्ष के स्वागत के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित होते है। नववर्ष के पहले दिन सार्वजनिक अवकाश रहता है। युवक-युवतियों की जोड़ियां पूरी-पूरी रात घर से बाहर होटलों, रेस्तरां या क्लबों में जश्न मनाती हैं। लोग गिरिजाघरों में जाकर ईसामसीह की याद में परम्परागत अमेरिकी धुन पर प्रार्थनाएं करते हैं और समस्त मानव जाति के लिए मंगलकामना करते हैं। यहां कुछ स्थानों पर नव वर्ष के अवसर पर काली आंखों वाली मटर खाने की परम्परा भी है।

ब्रिटेन में नव वर्ष के स्वागत के लिए मुख्य समारोह लंदन में आयोजित होता है। इस मौके पर देशभर में अनेक रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। नववर्ष के आगमन पर देशवासी ईसा मसीह की याद में प्रार्थना सभाएं करते हैं और इसके बाद लोग अपने खास दोस्तों व परिवार के लोगों के साथ होटलों में जाकर नाचते-गाते हैं और शराब पीकर जश्न मनाते हैं। यहां यह विचित्र परम्परा भी प्रचलित है कि परिवार का मुखिया इस दिन डाइनिंग टेबल पर एक गर्म पेय से भरा कटोरा रखता है, जिसमें से परिवार का हर सदस्य एक-एक चम्मच भरकर अपने मुंह में डालता है। इस बारे में मान्यता है कि ऐसा करने से उनका पूरा साल स्वास्थ्य व समृद्धि की दृष्टि से अच्छा रहता है।

जापान में नव वर्ष के स्वागत के लिए राजधानी टोक्यो में विशेष कार्यक्रम आयोजित होता है। खुशी के इस अवसर पर परम्परागत नृत्यों सहित अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं, जिनका सभी देशवासी लुत्फ उठाते हैं। यहां नव वर्ष का उत्सव पांच दिन तक चलता है। नव वर्ष के अवसर पर लोग अपने घरों को बांस तथा चीड़ की लकड़ियों से सजाते हैं तथा घर में तरह-तरह के व्यंजन बनाते हैं। इस दिन कमल की जड़ के साथ चावल के बने व्यंजन खाना शुभ माना जाता है क्योंकि मान्यता है कि ऐसा करने से उनकी उम्र बढ़ती है।

बर्मा में 'तिजान' नामक नववर्ष उत्सव तीन दिन तक

चलता है। लोग भगवान बुद्ध की प्रतिमाओं पर सुगंधित जल का छिड़काव कर पूजा-अर्चना करते हैं और उसके बाद मिठाईयां बांटकर एक-दूसरे को नए साल की बधाई देते हैं।

जर्मनी में नव वर्ष के स्वागत के लिए राजधानी बर्लिन में विशेष समारोह आयोजित होता है, जिसमें हर तरह के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं और देशवासी परम्परागत नृत्यों का भी भरपूर आनंद लेते हैं। प्रचलित परम्परा के अनुसार नव वर्ष के मौके पर पिता अपनी पुत्रियों को एक हजार पिन या उनकी कीमत के बराबर कोई उपहार देता है। ऐसा करना यहां सुख-समृद्धि एवं सौभाग्य का सूचक माना जाता है। बेटियों को पिन भेंट करने की प्रथा के कारण ही इस मौके को यहां 'पिनपिनी' के नाम से भी जाना जाता है।

दक्षिण अफ्रीका में भी नव वर्ष के अवसर पर देशभर में रंगारंग कार्यक्रमों व परम्परागत नृत्यों का सिलसिला चलता है तथा नववर्ष के आगमन की खुशी में मछली का बना एक विशेष प्रकार का भोजन तथा चावल आपस में बांटने की परम्परा है। इटली में लोग इस मौके पर रंग-बिरंगे नए कपड़े पहनकर घूमते हैं और एक-दूसरे को नव वर्ष की बधाई देते हैं। हमारे यहां प्रचलित होली के त्यौहार की भांति यहां नव वर्ष के अवसर पर एक-दूसरे पर सादा जल डालने की परम्परा है, जिसे 'छपाका' कहा जाता है। दरअसल लोगों का विश्वास है कि छपाका उन्हें वर्ष पर्यन्त स्वस्थ बनाए रखता है।

चीन में राजधानी बीजिंग सहित सभी नगरों, कस्बों व गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यहां प्रचलित परम्परा के अनुसार नव वर्ष पर लोग रात्रि के समय पैसों का पेड़ बनाकर उसे पुराने सिक्कों व फूलों से सजाते हैं क्योंकि ऐसी धारणा है कि ऐसा करने से पूरा साल उनके यहां धन की वर्षा होगी। स्कॉटलैंड में नववर्ष की पूर्व संध्या पर लोग अपने-अपने घरों में एक ही कमरे में एकत्रित होकर आने वाले मेहमान की प्रतीक्षा करते हैं और मेहमान के आते ही उसका खूब आदर-सत्कार करते हैं। नववर्ष के पहले दिन को यहां 'डेसले डे' के नाम से जाना जाता है। वेटिकन सिटी में इस अवसर पर अनेक धार्मिक कार्यक्रम होते हैं और नव वर्ष के प्रारंभ होने की प्रार्थना के बाद पोप लोगों को विश्व शांति का संदेश देते हैं।

स्पेन में नववर्ष के आगमन के साथ ही ठीक 12 बजे बारह ताजे अंगूर खाने की परम्परा है ताकि वर्ष के पूरे बारहों महीने वे स्वस्थ रहें। यूगोस्लाविया के आदिवासी बहुल इलाके बंका में इस विशेष अवसर को लोग बहुत उत्साह के साथ मनाते हैं। यहां के आदिवासियों द्वारा अपने खास दोस्तों के साथ इस अवसर पर अपनी-अपनी पत्नियों की पांच दिनों के लिए एक-दूसरे से अदला-बदली करने की भी परम्परा है। दक्षिण अफ्रीका के कुछ भागों में प्रचलित विचित्र परम्परा के अनुसार नवविवाहित दम्पति को इस दिन खूंखार सांड से लड़ने के लिए छोड़ दिया जाता है और दम्पति इस सांड को मारकर अपने इष्टदेव को चढ़ाते हैं। ऐसी मान्यता है कि ऐसा करने से इष्टदेव की कृपा से जीवन भर वे रोगमुक्त रहते हैं। तिब्बत में नव वर्ष का उत्सव वर्ष का सबसे बड़ा त्यौहार होता है। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर खूबसूरत लड़कियां अपने हाथों में मशाल थामे दहकते अंगारों पर नंगे पैर नृत्य करती हैं और कुछ जगहों पर युवक अपनी आंखों पर पट्टी बांधकर आपस में तलवारबाजी भी करते हैं। तिब्बत की राजधानी ल्हासा के राजमहल में लामा लोग अपने चेहरों पर अलग-अलग आकृतियों वाले बड़े-बड़े मुखौटे लगाकर 'दानव नृत्य' करते हैं।

गांवों का भी हो समुचित विकास?

रमेश सर्राफ

सरकार अपनी नीति में थोड़ा परिवर्तन कर उद्योग धंधे लगाने वाली जगह पर रहने वाले किसानों को उस उद्योग धंधे में उनकी योग्यता अनुसार नियोजित करें। उनसे ली जाने वाली जमीन के बदले आसपास में उतनी ही जमीन उपलब्ध करवाएं। तो गांव की आबादी भी नहीं उजड़ेगी और उद्योग धंधों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी नहीं होंगे। उस क्षेत्र के लोग उस उद्योग समूह की नीतियों से सहमत होकर उनको और अधिक सहयोग देंगे। पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में सरकार ने जबरदस्ती से किसानों की जमीन का अधिग्रहण कर टाटा समूह को दी थी। मगर किसानों ने सरकार व उद्योग समूह के खिलाफइतना बड़ा आंदोलन चलाया कि अंततः टाटा समूह को अपना उद्योग वहां से अन्यत्र स्थानांतरित करना पड़ा।

हमारे देश में चारों तरफ शहरों के विकास की बात की जा रही है। सरकारी भी शहरों के विकास के लिये स्मार्ट सिटी परियोजना को लेकर बहुत गंभीरता से काम कर रही है। देश के नीति निर्धारकों का मानना है कि शहरों के विकास से ही देश का विकास हो पाएगा। इसी सोच के कारण तेजी से शहरीकरण बढ़ रहा है। रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग शहरों की तरफ निरंतर पलायन करते जा रहे हैं। शहरी क्षेत्रों में आबादी का दबाव इतना अधिक हो गया है कि वहां पर रखने को भी जगह नहीं मिल रही है। लोग गंदे नालों के किनारे झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं। भारत गांवों का देश है। भारत में गांवों के विकास के बिना समग्र भारत का विकास संभव ही नहीं है। महात्मा गांधी हमेशा कहा करते थे कि भारत के वास्तविक विकास का तात्पर्य शहरी औद्योगिक केंद्रों का विकास नहीं बल्कि मुख्य रूप से गांवों का विकास ही है। हमारे देश की जनसंख्या का एक बडा हिस्सा आज भी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करता है। देश की इस विशाल जनसंख्या को मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाये बिना देश का समग्र विकास अधूरा है। इसीलिये ग्रामीण विकास ही राष्ट्रीय विकास का केंद्र बिंदु है।

सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की सभी का ध्यान शहरों के इर्द-गिर्द ही उद्योग धंधे, कल-कारखाने स्थापित करने की तरफ रहता है। कल कारखानों से निकलने वाली धुंआ, गटर का गंदा पानी, वाहनों से होने वाले प्रदूषण की मार से देश के प्राय सभी शहर कराह रहें हैं। पर्यावरण विशेषज्ञों द्वारा बढ़ते प्रदूषण को लेकर लगातार चेतावनी जारी की जा रही है। उसके दुष्परिणामों से लोगों को अवगत करवाया जा रहा है। उसके उपरांत भी सरकारों का पूरा ध्यान शहरों में ऐसे कल कारखानों की स्थापना की और अधिक है। जिनके लगने से प्रदूषण में बढ़ोतरी होना तय माना जा रहा है। मगर फिर भी वास्तविकता को कोई समझना ही नहीं चाहता है।

शहरों के उलटे गांव में आज भी स्वच्छ पर्यावरण, हरा भरा वातावरण देखा जा सकता है। भारत में शहरों की बजाय ग्रामीण आबादी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्र आज भी सरकारी उदासीनता के शिकार है। देश के आधे से अधिक गांव में तो अभी तक मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो पाई है। गांव में मूलभूत सुविधाओं के अभाव में लोग शहरों की तरफ जाने को मजबूर होते हैं। इससे धीरे-धीरे गांव में पलायन की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि शहरों की तर्ज पर ही गांव का भी विकास करवाएं तथा गांव में भी उद्योग धंधे स्थापित करवाकर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। ताकि गांव भी समृद्धि की राह पर चलने लगे। यदि गांवों में छोटे कल कारखाने, उद्योग धंधे व ग्रामीण कुटीर उद्योग को सरकार की तरफसे बढ़ावा मिले तो गांवों की भी शहरों की तरह कायाकल्प हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों का जीवन भी बेहतर हो सकता है। गांव में रोजगार के साधन बढ़ने से लोगों का पलायन रुकेगा। स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आय बढ़ेगी। जिससे गांव में समृद्धि आएगी। देश के अधिकांश गांवो में पर्याप्त मात्रा में श्रम शक्ति उपलब्ध है। यदि उनको स्थानीय स्तर पर ही नियमित रोजगार मिल सके तो वो बेहतर परिणाम दे सकते हैं। शहरों में गंदे नालों के किनारे कच्चे झोपड़िया बनाकर रहने वाले श्रमिकों को यदि गांव के स्वच्छ वातावरण में रहकर काम के अवसर मिले तो वह अधिक मेहनत व लगन से काम करेगा।

सरकार को चाहिए कि ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाये। शहरों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में उद्योग धंधों की स्थापना के लिए जमीन भी कई गुना कम कीमत पर मिल सकेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर श्रमिकों की उपलब्धता होने के चलते उद्योग धंधों के उत्पादन का लागत मूल्य भी कम रहेगा। सरकार को जब किसी उद्योगपति को कल कारखाना लगवाना होता है तो उसको सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जमीनों का अधिग्रहण कर जमीन उपलब्ध करवाती है। कई बार ग्रामीणों की सहमति नहीं होने के उपरांत भी सरकार जोर जबरदस्ती कर लोगों की जमीन का अधिग्रहण कर लेती है। ऐसे में लोगों को अपनी जन्मभूमि छोड़कर दूसरी जगह भटकना पड़ता है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

समय परिवर्तनशील

समय परिवर्तनशील था उसे बदलना ही था मगर आशाएँ दिल की कभी मरती नहीं ..वो आवाज देती हैं ..पुरज़ोर कोशिश करती हैं उन लमहों को पकड़े की , अपने वजूद के हिस्से को ..खुद से जुदा न करने की जद्दोजहद ताउम्र चलती रहती है अनदेखा रह जाता है वो हिस्सा जहाँ जख्मों ने परत-दर-परत डेरा बना रखा है।

\- अर्चना लाल

अनपेक्षित इच्छओं के

अनपेक्षित इच्छओं के कर्तव्यों से थका हुआ सा मैं एक पल का अंतराल लिए सुस्ता रहा हूँ। अपरिचित आकांक्षाओं पर खरा उतरने का उपक्रम अभी पूरा कहा हुआ। मेरे पास जो गठरी है उसमें सब सामान दुसरो के लिए है मेरा तो केवल उस गठरी का कपड़ा है।

\- कुलदीप वर्मा

खास पाती | बेहतर अब यह साल रहे

रहे विश्व में अमन-चैन बस, हर कोई खुशहाल रहे। रोग-शोक कोई ना व्यापे, बेहतर अब यह साल रहे मर जाए कोरोना अपनी मौत, तो कितना अच्छा हो। सबको जीवन रहे सुरक्षित, टीका भी कुछ ऐसा हो। भूखा रहे न कोई बंदा, सबको रोटी-दाल रहे। रहे विश्व में अमन-चैन बस, हर कोई खुशहाल रहे। कल से हम कुछ आगे आएँ, ऐसे अच्छे काम करें। साहस से हम बात करेंगे, किसी शिखर से नहीं डरें। केवल अपनी फ्रिक नहीं हो माँ-बाप का ख्याल रहे।। रहे विश्व में अमन-चैन बस, हर कोई खुशहाल रहे।। हो विचार कुछ भिन्न-भिन्न पर, प्यार-मोहब्बत कम न हो। वो आंखें कैसी जो सुन कर, जन की पीड़ा नम न हो। नव संकल्पों के संग चल कर, अब तो नया कमाल रहे। रहे विश्व में अमन-चैन बस, हर कोई खुशहाल रहे। - गिरीश पंकज

जिंदगी भी न लघुकथा जैसी

जिंदगी भी न लघुकथा जैसी ही है कुछ दिखती है , कुछ होती है उसके अपने नियम हैं, कड़े अनुशासन हैं नये-नये कथानक हैं मुश्किल होता है अक्सर उसे पूरी तरह साध पाना, उसके शिल्प में ढल जाना शब्द की तरह कदम, गिन-गिनकर रखना जैसे ही लगता है अब समझ रहे हैं , कुछ-कुछ जिंदगी को तभी वह कभी बेरहम कभी मरहम बन हमें विस्मित कर देती है. सच ! जिंदगी भी लघुकथा ही तो होती है।- शशि बंसल गोयल

श्रृंगार की हो परिभाषाएं बिन स्पर्श

श्रृंगार की हो परिभाषाएं बिन स्पर्श प्रीत की आशाएं शब्दों से हीन हो अंतरमन आखें ही कह दें गाथाएं हमको तुम ऐसा प्रेम करो मैं सुन भी लूं तुम कुछ न कहो क्या ऐसा होना मुमकिन है मेरे गम को तुम भी तनिक सहो। - कृष्णा प्रवीण शुक्ला

वफा तो की मगर बदले बेवफाई

वफा तो की, मगर बदले, बेवफ़ाई देखी धड़कनें भी मिरी मैंने तो हरजाई देखी घेर रक्खा था बुतों ने मिरी मिय्यत को मगर रूह खाली मिली,देखी तो तन्हाई देखी क़सीदख़्वानी जब तलक रही, अज़ीज़ थी मैं रुख़ पे शीशा जो दिखाया, रुसवाई देखी ज़ेहन की धूल को हटा न पाया तू इंसां इसमें, उसमें और सभी में ही बुराई देखी अज़्म अपने को बुलंदी पे 'कविता' ले चल तू गले लगा के कहे रब, रौशनाई देखी। - कविता माथुर

नभ से धरती पर गिरे गुलमोहर

नभ से धरती पर गिरे,गुलमोहर के फूल। झूला उसकी शाख पे, कौन रहा है झूल।। गुलमोहर गदरा उठे,क्या अम्बर की पाल।। या प्रीतम मुख लख हुआ,धरती का मुख लाल।। गुलमोहर की छाँव में, बैठा अम्बर मौन। किसकी राहें तक रहा,आने वाली कौन।।

\- आशा पांडेय ओझा

चिट्ठी लिखने वाले ने सदा प्रतीक्षा

चिट्ठी लिखने वाले ने सदा प्रतीक्षा की प्रत्युत्तर वाली चिट्ठी की जबकि पत्र पेटी में कैद चिट्ठियां इंतजार करती रही अपनी मंजिल का मोबाइल युग में डाकिया भूल गया था पत्र पेटी की राह।

\- शोभा गोयल

मन की बात कह देने से, फैसले

मन की बात कह देने से, फैसले हो जाते हैं और मन में रख लेने से फासले हो जाते है, कभी भी लोगों की टीका टिप्पणी से घबराना नही चाहिए क्योंकि खेल में दर्शक ही शोर मचाते हैं खिलाडी नहीं।

\- पितांबर श्रीवास्तव

QUIZ TIME

1) टेलिफोनिक विधि सहायता केन्द्र का शुभारंभ कहां से किया गया? (रायपुर / दुर्ग)
2) छत्तीसगढ़ में फास्टट्रैक कोर्ट का गठन कितने जिलों में किया गया है?
3) देश के पहले क्रम का ई-लोक अदालत छत्तीसगढ़ में कौन-से स्थान पर संचालन किया जा रहा है?
4) महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय का आधारशिला कब रखा गया?
5) चिकित्सक का नाम बताइए जिन्हें 2011 में पद्मश्री पुरस्कार दिया गया?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) रायपुर (2) 9 जिलों (3) बिलासपुर (4) 2 अक्टूबर, 2020 (5) पुखराज बाफना

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1664 - छत्रपति शिवाजी ने सूरत अभियान शुरू किया। 1785 - 'डेली यूनिवर्सल रजिस्टर' (टाइम्स ऑफ लंदन) का पहला अंक प्रकाशित। 1808 - अफ्रीकी देश सिएरा लियोन ब्रिटिश उपनिवेश बना। 1862 - 'भारतीय दंड संहिता' लागू किया गया। 1877 - इंग्लैण्ड की महारानी विक्टोरिया भारत की साम्राज्ञी बनी। 1880 - देश में मनी आर्डर प्रणाली की शुरुआत। 1906 - ब्रिटिश सरकार ने भारतीय मानक को स्वीकार किया। 1915 - महात्मा गांधी को दक्षिण अफ्रीका में उनके कार्यों के लिये वायसरॉय ने 'केसर-ए-हिंद' से सम्मानित किया। 1928 - अमेरिका में पहला एयर कंडीशंड कार्यालय सेन एंतोनियो में खुला। 1949 - कश्मीर में युद्धविराम की घोषणा हुई। 1955 - भूटान ने पहला डाक टिकट जारी किया गया। 1971 - टेलीविजन पर सिगरेट विज्ञापनों का प्रसारण प्रतिबंधित किया गया। 1978 - बम्बई (अब मुंबई) में एयर इंडिया के जंबो जेट बोइंग-747 विमान हादसे में 213 लोगों की मौत हुई। 1985 - लीबिया सरकार द्वारा सभी नागरिकों के लिए सैन्य प्रशिक्षण अनिवार्य घोषित। 1992 - भारत और पाकिस्तान ने पहली बार अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूचियों की अदला-बदली की। डॉक्टर बुतरोस घाली ने संयुक्त राष्ट्र संघ महासचिव का कार्यभार ग्रहण किया। 1993 - चेकोस्लोवाकिया का दो स्वतंत्र गणराज्यों- चेक एवं स्लोवाक के रूप में विभाजन। 1995 - विश्व व्यापार संगठन अस्तित्व में आया। 1996 - सिंगापुर एशिया में जापान के बाद दूसरा विकसित देश बना।

सैफ अली खान ने विक्रम वेधा की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल पूरा किया

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान ने अपनी आने वाली फिल्म विक्रम वेधा की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल पूरा कर लिया है। सुपरहिट तमिल फिल्म विक्रम वेधा के हिंदी रीमेक में ऋतिक रौशन और सैफ अली खान की मुख्य भूमिका है। फिल्म का निर्देशन पुष्कर-गायत्री कर रहे हैं, जिन्होंने तमिल फिल्म विक्रम वेधा का निर्देशन किया था। ओरिजिनल फिल्म में आर माधवन और विजय सेतुपति ने मुख्य भूमिकाएं निभायी थीं। ऋतिक रौशन के बाद अब सैफ अली खान ने भी फिल्म की शूटिंग का अपना दूसरा शेड्यूल पूरा कर लिया है। फिल्म का निर्माण टी-सीरीज, रिलाइंस एंटरटेनमेंट के साथ फ्राइडे फिल्मवर्क्स और वाईनॉट स्टूडियोज द्वारा किया जा रहा है। निर्माताओं की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि लखनऊ में सैफ का शेड्यूल 19 दिनों तक चला, जहा उन्होंने कई जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस शूट की हैं। निर्माता भूषण कुमार ने कहा कि ऋतिक और सैफ को एक साथ पर्दे पर देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प अनुभव रहेगा। बताया जा रहा है कि विक्रम वेधा की कहानी विक्रम और बेताल की माइथोलॉजी से प्रेरित है, जो एक पुलिस ऑफिसर और गैंगस्टर के बीच चलती है। विक्रम वेधा की रीमेक अगले साल 30 सितम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दमदार अभिनय और संवाद अदायेगी से खास पहचान बनायी नाना पाटेकर ने

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड में नाना पाटेकर को ऐसे कलाकार के तौर पर जाना जाता है, जिन्होंने दमदार अभिनय और विशिष्ठ संवाद अदायेगी से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनायी। नाना पाटेकर उर्फ विश्वनाथ पाटेकर का जन्म मुंबई में 01 जनवरी 1951 को एक मध्यम वर्गीय मराठी परिवार में हुआ। उनके पिता दनकर पाटेकर चित्रकार थे। नाना ने मुंबई के जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट्स से पढ़ाई की। इस दौरान वह कॉलेज द्वारा आयोजित नाटकों में हिस्सा लिया करते थे। नाटा पाटेकर को स्केचिंग का भी शौक था और वह अपराधियों की पहचान के लिए मुंबई पुलिस को उनकी स्केच बनाकर दिया करते थे। नाना ने अपने सिने करियर की शुरुआत वर्ष 1978 मे प्रदर्शित फिल्म 'गमन' से की लेकिन इस फिल्म में दर्शकों ने उन्हें नोटिस नहीं किया। अपने वजूद को तलाशते नाना को फिल्म इंडस्ट्री में लगभग आठ वर्ष संघर्ष करना पड़ा। फिल्म 'गमन' के बाद उन्हें जो भी भूमिका मिली वह उसे स्वीकार करते चले गए। इस बीच उन्होंने गिद्ध भालू शीला जैसी कई दोयम दर्जे की फिल्मों मे अभिनय किया लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई।

वर्ष 1984 मे प्रदर्शित फिल्म 'आज की आवाज' बतौर अभिनेता नाना पाटेकर ने राज बब्बर के साथ काम किया। यह फिल्म पूरी तरह राज बब्बर पर केन्द्रित थी फिर भी नाना ने अपने सधे हुए किरदार निभाकर अपने अभिनय की छाप छोड़ने मे कामयाब रहे हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित नहीं हुई। नाना पाटेकर को प्रारंभिक सफलता दिलाने में निर्माता-निर्देशक एन.चंद्रा की फिल्मों का बड़ा योगदान रहा। उन्हें पहला बड़ा ब्रेक फिल्म 'अंकुश' (1986) से मिला।

नवाजुद्दीन ने कंगना रनौत की तरीफ की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने कंगना रनौत की तारीफ की है। कंगना रनौत अपने होम प्रोडक्शन के बैनर तले फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' बना रही है। इस फिल्म में नवाजउद्दीन सिद्दिकी की मुख्य भूमिका है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में नवाजउद्दीन 'शेरू' के रोल में नजर आने वाले हैं। नवाजउद्दीन ने कंगना की तारीफ की है। उन्होंने कहा, 'कंगना एक ग्रेट प्रोड्यूसर हैं और हर दिन फिल्म के सेट पर आती हैं। वह अद्भुत तरीके से अपने एक्टर्स का ख्याल रखती हैं। फिल्म की पूरी यूनिट उनसे बहुत खुश रहती है। वह सिर्फ सजेशन देती हैं।

विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे की 'लाइगर' का टीजर वीडियो रिलीज

मुंबई (वार्ता)। दक्षिण भारतीय सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे की आने वाली फिल्म 'लाइगर' का टीजर वीडियो रिलीज हो गया है। करण जौहर के धर्मा प्रॉडक्शन ने 'लाइगर' फिल्म की पहली झलक शेयर कर दी है। इस टीजर वीडियो में 'लाइगर' यानी विजय देवरकोंडा का पूरा परिचय देखने को मिलता है। साथ ही रोनित राय एवं अन्य टीम सदस्यों की झलक भी दिखाई गई है।इस टीजर वीडियो की शुरुआत फाइट रिंग से होती है। जहां मुंबई के स्लम और चाय बेचने वाला एक फाइटर धमाकेदार अंदाज में रिंग में उतरता है तो दुनियाभर की नजरें 'लाइगर' पर होती है।

करण जौहर ने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'वाट लगा देंगे'। टीजर के अंत में 'लाइगर' की रिलीज डेट 22 अगस्त 2022 के बारे में भी जानकारी दी गई है।इस फिल्म को पुरी जगन्नाथ द्वारा निर्देशित किया गया है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसे हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

5.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल

नई दिल्ली (वार्ता)। आंकलन वर्ष 2021-22 के लिए आज दोपहर तक 5.5 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किये जा चुके हैं। आयकर विभाग ने आज बताया कि सुबह 11.30 बजे तक 5.5 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किये जा चुके हैं। सुबह के एक घंटे में 2.15 लाख रिटर्न भरे गये हैं। विभाग के अनुसार कल तक 54250257 रिटर्न भरे गये थे। उसने कहा कि 30 दिसंबर तक 27806069 आईटीआर 1, 4987344 आईटीआर 2, 6254441 आईटीआर 3, 14228186 आईटीआर 4, 662070 आईटीआर 5, 255427 आईटीआर 6 और 56720 आईटीआर 7 दाखित हुये थे।

डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैंसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। बैंकों और आयातकों की ओर से अमेरिकी डॉलर की बिकवाल बढ़ाए जाने से उसके समक्ष रुपये की विनिमय दर शुक्रवार को सात पैंसे मजबूत हो कर प्रति डॉलर 74.34 रुपए पर पहुंच गयी। विदेशी मुद्रा के डीलरों ने यह जानकारी दी।

पिछले कारोबारी दिवस के अंत में डालर की दर दर 74.42 रुपये थी। डीलरों के अनुसार दिन के शुरुआती सत्र में शेयर बाजारों में तेजी और अन्य वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर से रुपये में यह तेजी आई। कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर 74.30 से 74.35 रुपये के दायरे में रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें 57वें दिन भी स्थिर रहीं

नई दिल्ली (वार्ता)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को भी कोई बदलाव नहीं होने से कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। केंद्र सरकार के पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर उत्पाद शुल्क क्रमशः पांच और दस रूपये घटाये जाने की घोषणा चार नवंबर को किये जाने के बाद कीमतों में काफी कमी आयी थी और इसके बाद राज्य सरकार के वैट कम करने के फैसले के बाद दिल्ली में दो दिसंबर को पेट्रोल लगभग आठ रुपये सस्ता हुआ था। दूसरे मेट्रो शहरों में हालांकि पिछले 57 दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। केंद्र सरकार के उत्पाद शुल्क घटाने के बाद बहुत से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भी तेल पर से वैट कम कर लोगों को राहत देने की कोशिश की है।

यूपी योद्धा यू मुम्बा के ख़िलाफ 2022 का स्वागत करने को तैयार

बेंगलुरु (वार्ता)। यूपी योद्धा नए साल का स्वागत करने के लिए पीकेएल के आठवें संस्करण के अपने पांचवें मैच में एक जनवरी, 2022 को यू मुम्बा से सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वर्तमान में योद्धा लीग की अंक तालिका में 10 अंकों के साथ 8 वें स्थान पर हैं। अब तक प्रदीप नरवाल और सुरेंद्र गिल उत्तर प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाली फ्रेंचाइजी के लिए चमकते सितारे रहे हैं।

यूपी योद्धा ने अब तक खेले गए अपने पहले चार मैचों में एक जीत और दो हार का सामना किया है जबकि एक मैच ड्रॉ पर छूटा है । यूपी योद्धा का लक्ष्य शनिवार को यू मुम्बा के विरुद्ध मैच जीत कर अपनी दूसरी जीत हासिल करने का है।

सीज़न की शुरुआत के मैचों में धीमी शुरूआत जैसी समस्या को सुधारने के बाद टीम ने अपने पिछले मैच में अटैक और डिफेंस दोनों में ही अपनी काबिलियत दिखाई है, हालांकि उनके सामने यू मुंबा के विरुद्ध एक मजबूत चुनौती होगी जिन्होंने पिछले मैच में जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 37-28 की आसान जीत हासिल की थी।

हालांकि यूपी योद्धा दो दिन के आराम के बाद मुम्बा के ख़िलाफ़ पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला लड़ेंगे। गुजरात जायंट्स के खिलाफ टीम वर्क के साथ ठोस प्रदर्शन दिखाते हुए यूपी योद्धा मैच ड्रॉ कराने में सफल रहे थे। उस गेम में योद्धा के स्टार रेडर, प्रदीप नरवाल प्रो कबड्डी लीग के इतिहास में 1200 अंक तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी भी बने हैं। मैच से पहले यूपी योद्धा के हेड कोच जसवीर सिंह ने कहा, ÷इस बात की मुझे काफी खुशी है कि जैसा मैंने अपने पिछले गेम में उम्मीद की थी और ठीक उसी के अनुसार हम एक टीम के रूप में एक साथ खेले। मुझे अपने लड़कों पर पूरा भरोसा है कि वह अगले गेम में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करेंगें । हमने विरोधियों पर अच्छा दबाव बनाया, खासकर दूसरे हाफ में योद्धाओं का दबदबा दिखा कि हम क्या करने में सक्षम हैं। लड़के प्रेरित हैं और अगले मैच में इसी गति को बढ़ाने के लिए तैयार हैं। उम्मीद है कि हमारे प्रशंसकों को नए साल के पहले दिन का जश्न मनाने के लिए एक हम अतिरिक्त कारण प्रदान कर सकेंगे।' दोनों टीमें पांच बार आमने-सामने आ चुकी हैं, जिसमें यूपी योद्धा ने दो बार जीत अर्जित की है जबकि तीन बार हार का सामना करना पड़ा है।

टीसीआईएल ने सरकार को दिया 21.11 करोड़ का लाभांश

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकारी आईसीटी कंपनी टेलीकम्यूनिकेशंस कंस्लटेंट्स इंडिया लिमिटेड (टीसीआईएल) ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए सरकार को 21.11 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार टीसीआईएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक संजीव कुमार ने दूरसंचार विभाग के सचिव के राजारमण को 21.11 करोड़ रुपये के लाभांश का चेक सौंपा है। अपनी शुरूआत के समय से ही टीसीआईएल लगातार लाभ कमाने वाली कंपनी रही है। टीसीआईएल ने प्रतिभूति के रूप में सरकार के शुरूआती निवेश 30 लाख रुपये था और वर्ष 2015-16 में 16 करोड़ रुपये का पुनः निवेश किया गया था। यह कंपनी अब तक सरकार को 267.86 करोड़ रुपये का लाभांश दे चुकी है। टीसीआईएल की स्थापना दूरसंचार मंत्रालय के दूरसंचार विभाग के अधीन अगस्त 1978 को मिनी रत्न कंपनी-एक के रूप में की गई थी। भारत सरकार के पास इसकी शत प्रतिशत शेयर पूंजी है। टीसीआईएल एक प्रमुख इंजीनियरिंग और सलाहकार कंपनी है। वह भारत और विदेश में दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी तथा सिविल निर्माण की परियोजनाओं पर काम करती है। पूरे अफ्रीका के अलावा देश के बाहर कंपनी कुवैत, सउदी अरब, ओमान, मॉरिशस, नेपाल, आदि में काम का संचालन करती है।

2021 अच्छा रहा, लेकिन टोक्यो ओलंपिक में जीत सकते थे पदक : रानी रामपाल

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने शुक्रवार को टोक्यो ओलंपिक 2020 में टीम के चौथे स्थान पर रहने के बारे में कहा कि इसने खिलाड़ियों को और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने हालांकि सेमीफाइनल में अर्जेंटीना के खिलाफ जीत की बात भी कही। रानी ने कहा, ÷ मुझे लगता है कि हम 100 प्रतिशत अर्जेंटीना के खिलाफ सेमीफाइनल मैच जीत सकते थे। हमने मैच में शुरुआती बढ़त हासिल की और अर्जेंटीना पर दबाव बनाया। हमने वह सब कुछ किया जो कोचों ने हमें बताया था लेकिन दूसरी टीम को पेनल्टी कॉर्नर देना हमें महंगा पड़ा। 2021 हमारे लिए एक अच्छा साल साबित हुआ, पर हम टोक्यो ओलंपिक खेलों में पदक जीत सकते थे। पहली बार में इसे स्वीकार करना मुश्किल नहीं था, लेकिन हम हमेशा ऐसा न कर पाने का दर्द महसूस करेंगे, क्योंकि हम इसके इतने करीब थे। कप्तान ने हॉकी इंडिया के कार्यक्रम पोडकास्ट 'हॉकी ते चर्चा' पर ओलंपिक में भारत के प्रदर्शन के बारे में कहा, ÷ हम 2016 में रियो ओलंपिक में 12वें स्थान पर रहे थे और इस बार टोक्यो ओलंपिक में हम चौथे स्थान पर रहे।

कपड़ों पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत बरकरार रखने का जीएसटी परिषद का फैसला : सीतारमण

नई दिल्ली (वार्ता)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने कपड़ों पर कर की दर को पहली जनवरी 2022 से पांच से बढ़ाकर 12 प्रतिशत करने के अपने पहले के निर्णय को शुक्रवार को स्थगित कर दिया। इस निर्णय से कपड़ों पर जीएसटी की दर पांच प्रतिशत बनी रहेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की राजधानी में हुई 46वीं बैठक के निर्णय की जानकारी देते हुए संवाददाताओं से कहा, कपड़े पर जीएसटी की दर पर यथास्थिति बनाये रखने का फैसला किया गया है।

उन्होंने कहा कि कपड़ा क्षेत्र पर जीएसटी बढ़ाने का फैसला पूरी चर्चा के बाद किया गया था जिसका उद्देश्य कपड़ा उत्पादों पर शुल्क के उल्टे ढ़ांचों को ठीक करना था, जिसमें कच्चे या मध्यवर्ती माल पर कर की दर तैयार माल से अधिक होती हैं।

एडब्लूएस यंग बिल्डर्स चैलेंज में देश भर के 10 स्कूल बने विजेता

नई दिल्ली (वार्ता)। एडब्लूएस यंग बिल्डर्स चैलेंज में देश भर के 10 स्कूल बने विजेता बने हैं जिसमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, तमिल नाडु, उत्तर प्रदेश, और पश्चिम बंगाल के स्कूल शामिल है। इन स्कूलों के बच्चों ने इस प्रतियोगिता में स्मार्ट फार्मिंग एवं स्मार्ट कृषि , शहरी परिवहन प्रबंधन और यूटिलिटीज़ मैनेजमेंट में वास्तविक समस्याओं को हल करने के लिए बेहतरीन समाधानों का प्रदर्शन किया है। यह एडब्लूएस यंग बिल्डर्स चैलेंज 2021 कार्यक्रम के मुख्य ड्राईवर्स में से एक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल के बच्चों में वैज्ञानिक अभिरुचि, कंप्यूटेशनल एवं डिज़ाईन थिंकिंग, और कोडिंग के कौशल का विकास करना है। शिक्षा मंत्रालय - इनोवेशन सेल (भारत सरकार); अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग; सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंडरी एजुकेशन (सीबीएसई); और कोड.ओआरजी के सहयोग से लॉन्च किए गए इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को क्लाड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग (एमएल) और आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस (एआई) आदि के मूलभूत तत्वों का परिचय देना और उन्हें इन प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल कर एक सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करना है।

पूर्व भारतीय गोलकीपर कनई सरकार का निधन

कोलकाता (वार्ता)। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर कनई सरकार का बुधवार को यहां लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

एआईएफएफ ने कनई के निधन पर शोक व्यक्त किया है। एआईएफएफ के अध्यक्ष प्रफुल पटेल ने एक शोक संदेश में कहा, भारतीय फुटबॉल में कनई सरकार का अमूल्य योगदान हमेशा हमारे साथ रहेगा। मैं परिवार के प्रति दुख साझा करता हूं। 1960 के दशक में प्रमुख भारतीय गोलकीपरों में से एक कनई देश के सभी तीन प्रमुख फुटबॉल क्लबों मोहन बागान, पूर्वी बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के लिए खेले। उन्होंने सितंबर 1971 में सोवियत संघ के खिलाफ एक दोस्ताना मैच में राष्ट्रीय टीम में पदार्पण किया। वह बंगाल की टीम का भी हिस्सा थे जो 1970 में एशियाई क्लब कप में भाग लेने के लिए तेहरान गई थी।

अलविदा — यह ऐसा फैसला नहीं है जिस पर मैं आसानी पहुंच गया हूं- डिकाक

डिकॉक ने टेस्ट क्रिकेट से अचानक लिया संन्यास

जोहानसबर्ग (वार्ता)। अनुभवी विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक ने अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के लिए अचानक टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। डिकॉक पितृत्व अवकाश के कारण दूसरे और तीसरे टेस्ट में नहीं खेलने वाले थे, लेकिन अब उन्होंने पूरी तरह से क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप से विदाई लेने का फैसला कर लिया है। वह दक्षिण अफ्रीका के लिए सफेद गेंद क्रिकेट में मौजूद रहेंगे।

डिकॉक ने क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) की ओर से जारी एक बयान में कहा, यह ऐसा फैसला नहीं है जिस पर मैं आसानी पहुंच गया हूं। मैंने यह सोचने में बहुत समय लिया है कि मेरा भविष्य कैसा दिखता है और अब मेरे जीवन में क्या प्राथमिकता होनी चाहिए। साशा और मैं इस दुनिया में अपने पहले बच्चे का स्वागत करने वाले हैं और अब हम अपने परिवार को उससे आगे बढ़ाना चाहते हैं। मेरा परिवार मेरे लिए सब कुछ है और मैं चाहता हूं कि हमारे पास हमारे जीवन के इस नए और रोमांचक अध्याय के दौरान उनके साथ रहने के लिए समय और जगह हो।

उन्होंने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है और मुझे अपने देश का प्रतिनिधित्व करना पसंद है। मैंने उतार-चढ़ाव, उत्सव और यहां तक कि निराशाओं का भी आनंद लिया है, लेकिन अब मुझे कुछ ऐसा मिला है जो मुझे और भी अधिक पसंद है। जिंदगी में आप समय के सिवाए कुछ भी खरीद सकते हैं और इस समय, उनके लिए सही करने का समय है जो मेरी जिंदगी में सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। मैं इस मौक़े पर उन सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं जो शुरू से ही मेरी टेस्ट क्रिकेट यात्रा का हिस्सा रहे हैं। मेरे कोचों, टीम के साथियों, विभिन्न प्रबंधन टीमों और मेरे परिवार और दोस्तों के लिए। अगर मेरे पास आप लोगों का साथ नहीं होता तो मैं खुद को साबित नहीं कर सकता था। डी कॉक ने कहा, यह मेरे करियर का अंत नहीं है। मैं सफेद गेंद क्रिकेट में खेलना जारी रखूंगा और अपने देश के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहूंगा। मैं अपनी टीम के सभी साथियों को इस सीरीज के आने वाले दो मैचों के लिए शुभकामनाएं देता हूं। आप सभी से अब वनडे और टी20 में मुलाकात होगी।

29 वर्षीय डिकॉक ने 2021 की शुरुआत साउथ अफ्रीका के अस्थायी टेस्ट कप्तान के रूप में की थी और इस प्रारूप से संन्यास लेकर इसे समाप्त किया। उन्होंने श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ चार टेस्ट मैचों में 50त्न जीत के रिकॉर्ड के साथ दक्षिण का नेतृत्व किया। दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को घर में 2-0 से हराया लेकिन पाकिस्तान से उसी अंतर से हार गया। डिकॉक ने कोविड-19 महामारी में बायो बबल जीवन के प्रतिबंधों पर चिंता व्यक्त की थी और उन्हें दक्षिण अफ्रीका की वनडे टीम में श्रीलंका और नीदरलैंड के खिलाफ आराम दिया गया था।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी कोरोना के कारण स्थगित

मुम्बई (वार्ता)। जनवरी 2022 में शुरू होने वाली अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी को भारत में कोरोना मामलों की संख्या में ताज़ा उछाल और ऑमिक्रोन वेरिएंट के बढ़ते ख़तरे के बाद स्थगित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से जुड़ी हुई इकाइयों को लिखे एक पत्र में सचिव जय शाह ने कहा कि स्थगन का प्राथमिक कारण यह है कि प्रतिभागियों को अभी भी टीका नहीं लगाया गया है और ऐसे में उनके संक्रमित होने की ज़्यादा संभावनाएं हैं। टीका नहीं लेने का प्रमुख कारण यह है कि सभी प्रतिभागी की आयु 18 से कम है। यह टूर्नामेंट 9 से 21 जनवरी के बीच अगरतला और गुवाहाटी में चार स्थानों पर खेला जाना था। क्रिकइंफो के अनुसार शाह ने पत्र में कहा, ÷हम भारत और दुनिया भर में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं, और यह अनुमान है कि अगर स्थिति को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो निकट भविष्य में संक्रमण काफी बढ़ जाएगा। विशेषज्ञों से परामर्श करने एवं मेडिकल ऑपरेशनल टीम के विचार जानने के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी को इस सीज़न के लिए स्थगित कर दिया गया है। शाह ने कहा,÷हमें सावधानी बरतनी है और अतिसाहसी नहीं होना है। हम अपने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के स्वास्थ्य को गंभीर जोखिम में नहीं डाल सकते।

सरकार की तीन साल की उपलब्धियों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी को लोगों ने सराहा

मुंगेली/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार के गौरव पूर्ण और ऐतिहासिक तीन साल पूर्ण होने के उपलक्ष में मुंगेली जिले के नगर पंचायत पथरिया के सामुदायिक भवन में राज्य सरकार की तीन साल की उपलब्धियों पर आधारित छायाचित्र विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में जनसंपर्क विभाग द्वारा छायाचित्र विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। छायाचित्र विकास प्रदर्शनी को लोगों ने खूब सराहा। उन्होंने छायाचित्र विकास प्रदर्शनी की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को आम जनों तक पहुंचाया जा रहा है। जो राज्य शासन की एक अच्छी पहल है। सामुदायिक भवन के समीप संचालित पूर्व माध्यमिक शाला पथरिया के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने अपने छात्र-छात्राओं के साथ छायाचित्र विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को संकलित कर छायाचित्र

विकास प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित की जा रही है। जो बच्चों के सामान्य ज्ञान बढ़ाने में मददगार साबित होगी। प्रदर्शनी को बच्चों के अलावा आम नागरिकों के लिए भी उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए पथरिया के ग्रामीण देवचरण जोशी, कुलदीप पाटले, करन यादव, सुरेश शुक्ला ने कहा कि फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना एक अच्छी पहल है। इसी तरह अनेक लोगों ने भी छायाचित्र विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और प्रदर्शनी को उपयोगी एवं सार्थक बताया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन की मासिक पत्रिका जनमन एवं राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं की विस्तृत जानकारी वाले पाम्पलेट, ऐतिहासिक जीत को सलाम, आदिवासी हित सबसे आगे से संबंधित पॉकेटबुक का निःशुल्क वितरण किया गया। छायाचित्र प्रदर्शनी में आकर्षक सनबोर्ड के माध्यम से राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं- राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, लोक परम्पराओं और संस्कृति का उजास, आधुनिक शिक्षा से आसमान छुएंगे नवनिहाल, राम गमन पथ, धनवंतरि जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, संसाधनों के वैल्यू एडिशन से औद्योगिक विकास, जल जीवन मिशन, नई प्रशासनिक इकाईयों की शुरूआत, जनसशक्तिकरण से आर्थिक विकास और सिंचाई परियोजना का विकास, ब्याज मुक्त कृषि ऋण योजना आदि योजनाओं से संबंधित उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है।

छग कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की प्रांतीय बैठक में आंदोलन के लिए बनाई रणनीति

केशकाल/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की प्रांत स्तरीय बैठकों से प्राप्त सुझाव पर आगामी आंदोलन के लिए जिला शाखा कोंडागाव में बैठक रखी गयी। हीरा नेताम ने जिला संयोजक ने संभागीय बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि आंदोलन को सफल बनाने रणनीति तैयार करने पर्यवेक्षक नियुक्त किया जायेगा। जिला संयोजक प्रांत की भांति अपने जिले के सभी ब्लॉक में जाकर बैठक लेंगे। आगामी 12 जनवरी को जिला एवं ब्लॉक में रैली दोपहर बिना अवकाश लिए निकाली जायेगी। सभी साथियों को एक स्थान पर इकट्ठा होकर कलेक्टर व एसडीएम कार्यालय तक रैली निकालकर सीएम के नाम ज्ञापन सौंपना है। प्रांत द्वारा ज्ञापन प्रारूप एवं रैली हेतु फ्लैक्स का प्रारूप भेजा जाएगा। जिसके बाद 28 एवं 29 जनवरी को सामूहिक अवकाश लेकर आंदोलन करना है। समस्त स्कूल, कार्यालयों में कलम बंद हड़ताल होगा। जिला/ब्लॉक में 28 को केवल धरना और सभा होगी। 29 को धरना प्रदर्शन उपरांत रैली निकालकर जिले के कलेक्टर व एसडीएम को सीएम के नाम से ज्ञापन सौंपा जाएगा।

3 जनवरी से किशोरों को लगेगा कोरोना टीका, प्रशासन अमला तैयारियों में जुटा

मुंगेली/नवप्रदेश। केन्द्र के निर्देश के बाद प्रशासन द्वारा अब अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चों को वैक्सीन लगाने जिले में अभियान शुरू कर रहा है। इस अभियान के तहत जिले के पन्द्रह से अठारह वर्ष के लगभग 46 हजार 600 से अधिक बच्चों को वैक्सीन लगाने की शुरूआत 3 जनवरी से की जाएगी। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बैठक लेकर व्यापक पैमाने पर रणनीति तैयार की है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा वैक्सीन लगाने के लिए मितानिन और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के जरिए ग्रामवार सर्वे कराने की प्लानिंग बनाई गई है। वहीं स्कूल स्तर से भी बच्चों की जानकारी जुटाई जाएगी। इसके अलावा शाला त्यागी या गांव से पलायन कर गए लोगों का सर्वे के जरिए जानकारी जुटाई जाएगी। विभाग की माने तो पन्द्रह से अठारह वर्ष के जिले में करीब 46 हजार बच्चे हैं, जिन्हे पहले चरण में वैक्सीनेट किया जाएगा। अफसरों की माने

> आगामी तीन जनवरी से पन्द्रह से अठारह वर्ष के बच्चों को-वैक्सीन का पहला डोज लगाया जाएगा। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।
>
> **डॉ. कमलेश खैरवार,** जिला टीकाकरण अधिकारी

तो बच्चों को-वैक्सीन की डोज लगाई जाएगी। जिसकी जिले में 26 हजार से अधिक डोज उपलब्ध है। बताया गया कि अभियान शुरू होते ही जरूरत के अनुसार डोज की व्यवस्था की जाएगी। जानकारी अनुसार जल्द से जल्द जिले के 46 हजार से अधिक बच्चों को वैक्सीन लगाने अभियान चलाया जाएगा। केन्द्र के आलावा डोर टू डोर वैक्सीन लगाने का विकल्प भी रखा जाएगा। ताकि बच्चो को लगाने वाले पहले डोज के टारगेट को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके। गुरूवार को स्वास्थ्य विभाग की बैठक में वैक्सीन लगाने की बारिकियो के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। पंजीयन के लिए 1 जनवरी से कोविन एप डाउनलोड करना होगा जिसके बाद अपना मोबाइल फिर ओटीपी मिलने पर उसे दर्ज करते ही वैरीफाई करना होगा। अगले चरण में रजिस्ट्रेशन का विकल्प सामने आएगा। जिसमे नाम, उम्र, लिंग की जानकारी भरनी होगी। पूछे गए जानकारी अनुसार आवश्यक दस्तावेज अपलोड करना होगा। पंजीयन बटन पर क्लिक करने के बाद स्वास्थ्य केन्द्र का चयन और टीका की तिथि अंकित करनी होगी। अंत में अप्वाइंटमेंट बटन पर क्लिक करते ही पंजीयन प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी पकड़ रही है। बिना मास्क के बाजारों में भीड़ उमड़ रही है। कोरोना की शुरूआत में लोगों में वायरस को लेकर जागरूकता देखी गई। मगर समय के साथ ही लोग अब इसे भूलने लगे। शुरूवाती दिनों में जिला प्रशासन द्वारा कड़े नियम बनाए थे। साथ ही प्रशासन द्वारा बिना मास्क के बाजार में घुमने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। मगर अब कार्रवाई नहीं होने के कारण लोग बेखौफ बिना मास्क के घूम रहे हैं, जिसके कारण एक बार संक्रमण फैलने लगा है।

खाद्य सचिव ने किया विभिन्न धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

मुंगेली/नवप्रदेश। बेमौसम बारिश के कारण उपार्जन केंद्रों में भण्डारित धान की रख-रखाव, सुरक्षा और बचाव के लिए किये गये प्रयासों की जानकारी लेने छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य विभाग के सचिव मनोज सोनी और कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया। इनमें

विकास खण्ड मुंगेली के धान उपार्जन केंद्र ग्राम झगरहट्टा, दाऊपारा, फंदवानी विकास खण्ड लोरमी के धान उपार्जन केंद्र लोरमी, वेंकट नवागांव और मनोहरपुर शामिल है। खाद्य विभाग के सचिव ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2021-2022 हेतु जिले में पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य 01 दिसम्बर से किया जा रहा है। इस दौरान बड़ी मात्रा में धान की खरीदी की गई है। उपार्जन केंद्रों में धान की रख-रखाव और सुरक्षा भी शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य है। उन्होने धान उपार्जन केंद्रों में भण्डारित धान की सुरक्षा और बचाव के हर संभव उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर उन्होने धान खरीदी केंद्रों में भण्डारित धान की उठाव, सुरक्षा ड्रेनेज, केप कव्हर, स्टेकिंग, पानी निकासी हेतु नाली व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर ने बताया कि जिले में 66 सहकारी समितियों के 97 उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी की जा रही है। अब तक लगभग 2 लाख 20 हजार 272 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। धान की रखरखाव एवं सुरक्षा हेतु उपार्जन केंद्रों में हर संभव उपाय किये गये है।

घर-घर जाकर बच्चों का करेंगे वजन, स्वस्थ्य बालक, बालिका स्पर्धा 08 जनवरी से

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्ग निर्देशन में जिले में 08 जनवरी से 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों में स्वस्थ बालक, बालिका प्रतिस्पर्धा का आयोजन प्रत्येक कलस्टर के आंगनबाड़ी केन्द्रों में किया जाएगा। इस संबंध में महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिलाषा बेहार ने बताया कि अवधारणा अनुसार सामुदायिक भागीदारी के लिए यह आवश्यक है कि पोषण संबंधी सकरात्मक मुद्दों को उजागर किया जाये जिससे स्वस्थ्य बच्चे की पहचान और उसके प्रदर्शन पर जोर दिया सके। इस संबंध में प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया है कि बच्चों के बीच स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा देने के लिए माता पिता के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत हो। इससे आम जनता में निरंतर सामुदायिक जुड़ाव और जागरूगता पैदा होगी।

केवीके द्वारा मनाया जा रहा स्वच्छता पखवाड़ा

नारायणपुर/नवप्रदेश। कृषि विज्ञान केंद्र नारायणपुर द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 दिसम्बर तक आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य है प्रति व्यक्ति स्वच्छता का संकल्प लेना और अपने आस-पास किसी भी प्रकार की गन्दगी न रखे न दूसरों को रखने दे। केवीके के स्टॉफ द्वारा विभिन्न गांवों, स्कूलों में जाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया एवं स्थानीय बाजारों में कचरा फैलाने से रोकना रसोई के कचरे को कम्पोस्ट के गड्ढ़े बनाकर खाद बनाना, गलियों के नालियों की सफाई कर वातावरण को स्वच्छ रखना इत्यादि कार्य कराया गया। कार्यक्रम की शुभारंभ स्वच्छता की शपथ के साथ किया गया। इस शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के प्रमुख एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दिब्येंदु दास ने संबोधित करते हुए स्वच्छता के महत्व को विस्तृत रूप से समझाया एवं अपने आसपास को स्वच्छ रखने की सलाह दी। इस पखवाड़ा में केवीके के इस कार्यक्रम की प्रभारी सुश्री आंचल नाग एवं केवीके के समस्त वैज्ञानिक एवं स्टाफ सहित विभिन्न गांवो के स्व-सहायता समूह की महिलाये एवं पुरुष किसान सम्मिलित रहे। पॉलीथीन जलाने से निकलने वाली डायोक्सिन गैस लोगों को जानलेवा बीमारियों की ओर ढकेल रही है। पॉलीथीन ने आसपास के पर्यावरण को भी बीमार कर दिया है।

पंचायतों के सचिव, ग्राम रोजगार सहायक को दी गयी प्रशिक्षण

मुंगेली/नवप्रदेश। मनरेगा अंतर्गत इस वर्ष गुडगवर्नेंस इनिशिएटिव फेज-3 का क्रियान्वयन 20 दिसम्बर से किया जा रहा है और यह 5 जनवरी तक चलेगा। इसका क्रियान्वयन 6 चरणों में किया जाएगा। इसके पूर्व प्रथम और द्वितीय चरण में गुडगवर्नेंस इनिशिएटिव फेज -1 और फेज -2 में चयनित ग्राम पंचायत के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक को प्रशिक्षण किया गया है। इसी तारतम्य में गुडगवर्नेंस इनिशिएटिव फेज -3 का क्रियान्वयन हेतु विगत दिनों जिले के 364 ग्राम पंचायतों के सचिव और ग्राम रोजगार सहायक को जनपद स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में गुडगवर्नेंस के चारों गतिविधियां जॉबकार्ड अद्यतीकरण, 07 रजिस्टर अद्यतीकरण, वर्क फाइल संधारण एवं कार्य स्थल पर नागरिक सूचना पटल निर्माण के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इसी प्रकार चौथे चरण में भी सभी पंचायतो में मनरेगा योजना के पूर्ण कार्यो का वर्क फाइल बनाना, जॉबकार्ड अद्यतीकरण, 07 रजिस्टर अद्यतीकरण का कार्य कराया जाएगा। पांचवें चरण में गुडगवर्नेंस इनिशिएटिव गतिविधियाँ दृजॉबकार्ड अद्यतीकरण, 07 रजिस्टर यतीकरण, वर्क फाइल संधारण एवं कार्य स्थल पर नागरिक सूचना पटल निर्माण का मॉनिटरिंग जिला से नोडल अधिकारी एवं जनपद स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। अंतिम छठवें चरण में कोई एक ग्राम पंचायत से फीडबैक लिया जाएगा। मनरेगा अंतर्गत प्रत्येक कार्यों का वर्क फाइल संधारण, जॉबकार्ड अद्यतन, 07 रजिस्टर संधारण एवं कार्य स्थल पर नागरिक सूचना पटल निर्माण होने से पारदर्शिता एवं परिसम्पतियों का पहचान हो सकेगा। जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी रोहित व्यास ने चरणबद्ध 6 चरणों में गुडगवर्नेंस इनिशिएटिव फेज -3 का क्रियान्वयन को लेकर सभी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी (मनरेगा) को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गये है।

कार्यक्रम व सभाओं के आयोजन के लिए अनुमति लेना जरूरी

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अजीत वसंत ने कोविड-19 के प्रसार को ध्यान में रखते हुये युक्तियुक्त प्रतिबंध अधिरोपित किये गये हैं। वर्तमान परिस्थितियों में कोविड-19 एवं नये वेरिययट ओमिक्रान के संक्रमण के नियंत्रण हेतु भी युक्तियुक्त प्रतिबंध निरंतर जारी रखा जाना आवश्यक प्रतीत होता है। उन्होंने अतः दण्ड प्रक्रिया संहिता के विभिन्न धाराओं के तहत प्रदत्त शक्तियों के अधीन जारी आदेश के अनुक्रम में कहा है कि धार्मिक, खेलकूद, सामाजिक एवं अन्य समस्त प्रकार के आयोजनों, नववर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने कार्यक्रमों में स्थलों पर एक तिहाई क्षमता तक ही व्यक्तियों को भाग लेने की अनुमति होगी। कार्यक्रम, सभाओं के आयोजन में 200 से अधिक व्यक्तियों की उपस्थिति होने पर कार्यक्रम के आयोजन हेतु लिखित अनुमति लिया जाना आवश्यक होगा। उक्त सभी में समय-समय छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार द्वारा जारी कोविड-19 से संबंधित प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, प्रतिष्ठानों पर आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 51-60 तथा अन्य सुसंगत विधि अनुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

प्राचार्यो को बच्चों को टीकाकरण कराने के लिए दिशा-निर्देश जारी

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के समस्त हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल में अध्ययनरत 15 से 18 वर्ष आयु समूह के छात्र-छात्राओं को 03 जनवरी को प्रातः 10 बजे से शाम 04 बजे तक कोविड का टीका लगाया जाएगा। प्रत्येक हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से टीका लगाया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर अजीत वसंत, जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी रोहित व्यास और जिला शिक्षा अधिकारी ने आज समस्त हाई और हायर सेकेण्डरी स्कूल के प्राचार्यो को वीसी के माध्यम से शत-प्रतिशत अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का टीकाकरण करने हेतु दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि टीकाकरण को एक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। महाअभियान के पूर्व 01 जनवरी 2022 को बवअपदण्हवअण्पद में शिक्षकों के सहयोग से विद्यार्थियों का पंजीयन उनके एन्ड्रायड फोन से किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों के पास एन्ड्रायड मोबाइल नहीं है उनके पालकों के मोबाइल से टीकाकरण हेतु पंजीयन की कार्यवाही की जाएगी। प्रत्येक विद्यालय में टीकाकरण रजिस्टर में नाम, पिता का नाम, ग्राम, वार्ड एवं संपर्क नम्बर अंकित की जाएगी। जो अभिलेख के रूप में विद्यालय में संधारित होगी, ताकि द्वितीय चरण के टीकाकरण की जानकारी बच्चों को पूर्व में ही सूचना मिल सकें। प्रत्येक विद्यालय में सेल्फी जोन की व्यवस्था होगी ताकि बच्चें उसमें सेल्फी लेकर अपने ग्रुप में शेयर कर सकें एवं कितनो को शेयर किया गया है। इसकी भी जानकारी विद्यालय में प्रचार-प्रसार अभियान के रूप में संकलित होगी। टीकाकरण महाअभियान की शत-प्रतिशत सफलता की कामना के साथ वेबिनार का समापन किया गया।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A SUCCESSOR COMPANY OF CSEB) (A GOVT. OF CHHATTISGARH UNDERTAKING)
(CIN - U40108CT2003SGC015820) OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL)
No./04-01/Trans./Works/2356 Raipur, dtd: 29.12.2021

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP) from eligible contractors/firms registered in CSPTCL, on Item Rate and on percentage rate above/below/at par of CG PWD SOR for Building Works, Road Works, Bridge Works (w.e.f. 01.01.2015) and Electrical & Mechanical work (01.07.2015) and base rate for Non-SOR items. The unregistered contractors/firms having similar work experience in Central/State Government/Autonomous Bodies/Public Undertaking shall also be considered on submission of experience certificate.

1. Tender Spn. No.-04-01/C-TRANS/W/21-22/77; **Rfx No.**-8100024097:- Civil works for installation of additional 40 MVA, 132/33 KV Transformer (2nd Unit) at 132/33 KV S/s Charama **NIT Value :-** Rs. 5.38 Lakhs **& EMD:-** Rs. 5400/-. Completion Period :- 03 Months. **2. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/78; **Rfx No.**-8100024132:- Construction of 01 no. 33 KV feeder bay for providing 33KV grid connectivity to M/s Lohia Paper & board Pvt. Ltd. Village Bahera at 132/33 KV S/s Berla. **NIT Value :-** Rs. 12.70 Lakhs & **EMD:-** Rs. 13000/-. Completion Period :- 02 Months. **3. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/79; **Rfx No.**- 8100024133:- Construction of addl. 01 no. 132 KV feeder bay for M/s Nachiketa Power Steel Pvt. Ltd. At 132/33 KV S/s Silpahari, Bilaspur. **NIT Value :-** Rs. 11.00 Lakhs & **EMD:-** Rs. 11000/-. Completion Period :- 03 Months. **4. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/80; **Rfx No.**-8100024134:- Civil works for installation of additional 40 MVA, 132/33 KV Transformer (2nd unit) at 132/33 KV S/s Pakhanjur. **NIT Value :-** Rs. 5.64 Lakhs & **EMD:-** Rs. 5700/- Completion Period :- 03 Months. **5. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/81; **Rfx No.**-8100024135:- Construction of 01 no. 33 KV feeder bay at 132/33 KV S/s Dongargaon providing 33 KV grid connectivity to M/s Dongargaon Paper mill Pvt. Ltd. at 132/33 KV S/s Dongargaon. **NIT Value :-** Rs. 23.87 Lakhs & **EMD:-** Rs. 24000/- Completion Period :- 03 Months. **6. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/82; **Rfx No.**-8100024136:- Installation of 1x40 MVA 132/33 KV X-mer (2nd Unit) along with extension of 33 KV main and Auxiliary bus bar at 132/33 KV S/s Balrampur Under S/s division CSPTCL, Bishrampur. **NIT Value :-** Rs. 18.92 Lakhs & **EMD:-** Rs. 19000/- Completion Period :- 03 Months. **7. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/83; **Rfx No.**-8100024137:- Construction of 01 no. 132 feeder bay for grid connectivity from 220 KV S/s Gerwani for 12 MW CPP & 10 MVA CD of M/s Navdurga fuel (P) Ltd. Feeder bay at 220 KV S/s Gerwani. **NIT Value :-** Rs. 9.52 Lakhs & **EMD:-** Rs. 10000/- Completion Period :- 02 Months. **8. Tender Spn. No.**-04-01/C-TRANS/W/21-22/84; **Rfx No.**- 8100024141:- Construction of RCC cable trench with cover extension of pathway, yard leveling & metalling, etc. for existing 02 nos. 132 KV feeder bay for M/s NTPC Ltd. Vill.-Jurda at 132 KV S/s Kondatarai. **NIT Value :-** Rs. 5.93 Lakhs & **EMD:-** Rs. 6000/- Completion Period :- 02 Months.

Cost per tender document to be submitted online for tender at **Sl. No. 01 to 08 is Rs. 590/-** per tender document (i/c GST). Last date & time for submission and opening of bids for Sl. No.- 1 & 2 dt. **18.01.2022** (up to 12:15 Hrs. & 12:30 Hrs.) , Sl. No.- 3 & 4, dt. **19.01.2022** (up to 12:15 Hrs. & 12:30 Hrs.), Sl. No.- 5 & 6, dt. **20.01.2022** (up to 12:15 Hrs. & 12:30 Hrs.) and Sl. No.- 7 & 8, dt. **21.01.2022** (up to 12:15 Hrs. & 12:30 Hrs.) respectively. The tender document can be viewed and download online from our e-tendering portal.

(R.K. Shrivastava)
//Save Electricity// Executive Director (Civil) CSPTCL, Raipur

20वीं राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का हुआ समापन

जगदलपुर/नवप्रदेश। 20वीं राज्य स्तरीय जूनियर एवं सीनियर महिला पुरुष जूडो प्रतियोगिता का अतिथियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि दिनेश कश्यप (पूर्व सांसद बस्तर) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सन्तोष बाफना (पूर्व विधायक जगदलपुर) ने किया। विशिष्ट अतिथि में धर्मपाल सैनी (संचालक माता रुक्मिणी आश्रम), योगेंद्र पाण्डे (पार्षद रमैया वार्ड), किरण देव (अध्यक्ष जिला जूडो संघ बस्तर), अभिषेक अवस्थी (संचालक सी वी रमन कॉलेज), राजेंद्र सिंह, शंकर श्रीवास, शंभू सोनी (सचिव छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ) थे। किरण देव (अध्यक्ष बस्तर जिला जूडो संघ) ने सभी कोच,

निर्णायक और खिलाड़ियों को इस प्रतियोगिता में आने के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि कोरोना काल में हमारे खिलाड़ी का अभ्यास रुक गया था। इस प्रतियोगिता से सभी में जान आ गया है। संतोष बाफना पूर्व विधायक जगदलपुर ने प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक समापन के लिए आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि हमारे लिए गौरव की बात है कि जूडो प्रतियोगिताएं जगदलपुर में हो रही है। जूडो केवल खेल ही नहीं है, इससे हम अपनी आत्मरक्षा भी कर सकते हैं। आज आप लोगों के पास खेलने के लिए गद्दे उपलब्ध हैं। शुरुआती दौर में जगदलपुर में प्रैक्टिस के लिए गद्दा तक हमारे खिलाड़ी के पास नहीं था। वो सभी खाली मैदान में प्रैक्टिस करते थे। दिनेश कश्यप पूर्व सांसद बस्तर ने उपस्थित खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह मेरे लिए गर्व का विषय है कि आज मैं इस प्रतियोगिता में आप लोगों के बीच उपस्थित हूं। इससे पूर्व में हुए प्रतियोगिता में मेरे पिता बलिराम कश्यप पूर्व सांसद बस्तर भी उपस्थित थे। मैं सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं कि आने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी आप सभी पदक प्राप्त करके हमारे छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन करें। साथी सेवा के क्षेत्र में भी आप सभी आगे बढ़े यही मेरी शुभकामनाएं हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश जूडो संघ व जिला जूडो संघ ऑफ बस्तर एवं बस्तर जिला ओलोम्पिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 दिसम्बर तक हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के 22 जिलों के 250 खिलाड़ी व 30 प्रशिक्षक, अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही प्रदेश के नामी गिरामी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय निर्णायक शेख शरीफ, किरण शर्मा, रीना साहू, विजय नाग, पी. किशोर, श्वेता यादव, अब्दुल मोइम, कविता, सुमन राव, मकसूदा हुसैन, सरजीत सिंह बख्शी, राजकुमार और जयप्रकाश के देखरेख में प्रतियोगिता कराया गया।

न्यायालय तहसीलदार दन्तेवाड़ा, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. 202102160100005/
अ-21/2020-21 ग्राम- चितालंका

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अगाधू महापात्र पिता श्रीकर महापात्र, जाति ब्राम्हण, साकिन दंतेवाड़ा, तहसील दंतेवाड़ा के द्वारा कलेक्टर महोदय जिला दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम चितालंका, पटवारी हल्का नं. 15, तहसील दंतेवाड़ा स्थित भूमि खसरा नंबर 357/3 शामिल 0.2700 हे. परिवर्तित भूमि में से 0.011 हे. को क्रेता राजेन्द्र सोनी पिता लक्ष्मीनारायण सोनी जाति सोनार, साकिन दंतेवाड़ा तहसील दंतेवाड़ा को विक्रय करने की अनुमति प्राप्त करना चाहते हैं। इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा या आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 01/01/2022 को स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से दावा या आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त किसी भी प्रकार की कोई दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से आज दिनांक 13/12/2021 को जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
दंतेवाड़ा

कोविड की तीसरी लहर की आशंका, टीकाकरण और कोविड जांच पूरी करने के निर्देश

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। कलेक्टर जितेंद्र शुक्ला ने खंड चिकित्सा अधिकारियों की बैठक जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में ली। कलेक्टर ने कहा कि कोविड संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सभी प्रकार की आवश्यक तैयारी पूर्ण कर लें। पूरी क्षमता के साथ टीकाकरण और कोविड जांच आज से ही शुरू करने सीएमएचओ को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विदेश या अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों की जांच के लिए रेलवे स्टेशन पर जांच टीम नियुक्त करें। इसके लिए उन्होंने संबंधित एसडीएम और आरपीएफ की टीम का भी सहयोग लेने कहा।

सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर होगा जुर्माना

कलेक्टर ने कहा कि कोविड संक्रमण रोकने के लिए सभी प्रकार की आवश्यक तैयारी की जा रही है। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा संबंधी सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क लगाने जैसे निर्देश जारी किया गया है। राजस्व, पुलिस और संबंधित निकाय के संयुक्त दल गठित कर लोगों को जागरूक करें और सुरक्षा संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन कराएं। कलेक्टर ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुर्माना की कार्रवाई करें।

रेलवे स्टेशनों पर होगी जांच

कलेक्टर ने कहा कि विदेशों से अथवा अन्य राज्यों से आने वाले यात्रियों की जांच के लिए जिले के पांच प्रमुख स्टेशन अकलतरा, जांजगीर-नैला, चांपा, बाराद्वार और सक्ती में कोविड जांच दल आज से जांच करना प्रारंभ कर दें। इसी प्रकार स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों की यात्रा संबंधी जानकारी लेकर मरीजों को कोविड जांच करवाने के लिए सभी खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

श्रमिकों का हो शत प्रतिशत टीकाकरण

कलेक्टर ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में संलग्न अधिकारियों, कर्मचारियों और श्रमिकों का शत-प्रतिशत टीकाकरण करने के लिए जिला पंचायत सीईओ, महाप्रबंधक व्यापार एवं उद्योग उद्योग उद्योग विभाग से समन्वय कर टीकाकरण सुनिश्चित करवाएं। श्रमिकों के साथ-साथ उनके परिजनों का भी टीकाकरण किया जाएगा।

14 दिनों का आइसोलेशन अनिवार्य

14 दिनों के आइसोलेशन के नियमों का कड़ाई से पालन करवाया जाएगाकलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार कोविड संक्रमित पाए जाने पर 14 दिनों का होम आइसोलेशन अनिवार्य किया गया है। अतः मरीज को 14 दिनों के आइसोलेशन के नियमों का कड़ाई से पालन करवाया जाए। साथ ही कांटेक्ट ट्रेसिंग कर शत-प्रतिशत लोगों की कोविड जांच करवाई जाए। कलेक्टर ने अन्य राज्यों या विदेशों से आने वाले लोगों की सूचना प्राप्त करने के लिए स्थानीय निकाय को भी अपना सूचना तंत्र विकसित करने कहा।

रेडी टू यूज की स्थिति में रहे : कलेक्टर ने कहा कि कोरोना पहली और दूसरी लहर से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा संसाधन उपलब्ध कराया गया था। उन संसाधनों को पुनःउपयोगी स्थिति में लाने उनका परीक्षण कराने सभी बीएमओ को निर्देश दिए गए। उन्होंने इसकी रिपोर्ट आज शाम तक जिला प्रशासन को सौंपने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि कोविड केयर सेंटर, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, आक्शीजन बेड, मानव संसाधन, निजी स्वास्थ्य संस्थानों में बेडो की उपलब्धता, मेडिसिन, पीपीई किट, ग्लब्स की उपलब्धता सुनिश्चित कर लें।

उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में इन चिकित्सा संसाधनों की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने इसके लिए आवश्यकता-नुसार अभी से मांग पत्र राज्य कार्यालय को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

पूर्व तैयारी सुनिश्चित करें : कलेक्टर ने कहा कि जिले में स्थापित तीनों ऑक्सीजन प्लांट कार्यशील स्थिति में रहे। इसके साथ ही इनसे संलग्न जनरेटर को भी पुनः चेक करवा लें। कोविड का नया वेरिएंट बहुत ही तेजी से फैलने वाला बताया जा रहा है।

अतः किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग अपनी पूर्व तैयारी सुनिश्चित कर लें। मरीजों को लाने ले जाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित हो।

15 से 18 वर्ष के किशोरों का 3 जनवरी से वैक्सीनेशन

कलेक्टर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार 15 से 18 वर्ष के किशोरों का 3 जनवरी से वैक्सीनेशन किया जाना है। इसके लिए जिले में 1,04,165 का अनुमानित लक्ष्य दिया गया है। इसके अलावा 60 वर्ष से अधिक आयु के गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या 32,823 के लगभग आंकलन किया गया है, जिन्हें बुस्टर डोज लगाया जाना है। कलेक्टर ने कहा कि टीकाकरण का विकासखंडवार लक्ष्य निर्धारित है। जिसका शत-प्रतिशत टीकाकरण किया जाना है। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशानुसार 15 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं को-वैक्सीन का डोज लगाया जाएगा। राज्य कार्यालय से पर्याप्त डोज और विकासखंडवार वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला टीकाकरण अधिकारी को निर्देश दिए।

सीएस ने की कोविड नियंत्रण के तैयारियों की समीक्षा

कलेक्टर ने जिले में की गई तैयारियों से कराया अवगत

रायगढ़/नवप्रदेश। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने प्रदेश में कोविड संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर प्रदेश के सभी जिला कलेक्टर्स की विडियो कान्फ्रेसंग से महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य डॉ. आलोक शुक्ला व एसीएस सुब्रत साहू भी शामिल हुए। सीएस जैन ने सभी कलेक्टर्स को कोविड के बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने के लिए विशेष एहतियात बरतते हुए कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने टेस्टिंग पर जोर देते हुए पॉजिटिव आए मरीजों की कांटेक्ट ट्रेसिंग व उनकी टेस्टिंग के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कंटेनमेंट प्रोटोकाल का पूरी तरीके से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां भी मरीज मिल रहे है वहां कंटेनमेंट जोन बनाया जाए, जिससे संक्रमण पर शुरूआती दौर पर ही नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने इसके साथ ही जिला स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्ष में स्थापित दूरभाष क्रमांक के व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान की गई तैयारियों के अनुसार सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही लोगों को कोविड प्रोटोकॉल के पालन के लिए प्रेरित करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने तीन जनवरी से 15 से 18 वर्ष के किशोर-किशोरियों के टीकाकरण हेतु की गई तैयारियों की भी समीक्षा करते हुए स्कूलों में टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर भीम सिंह ने कहा कि जिले में लगातार टेस्टिंग की जा रही है।

त्रिस्तरीय पंचायत उप चुनाव : हथियारों के लाइसेंस 22 जनवरी तक निलंबित

कोरबा/नवप्रदेश। कोरबा जिले में त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन के तहत 45 पंचो और तीन सरपंचों का उपचुनाव होना है। इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला दण्डाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रानू साहू ने पंचायत उप निर्वाचन वाले क्षेत्रों में शस्त्र धारकों को जारी लाइसेंसो को 22 जनवरी 2022 तक की अवधि के लिए निलंबित कर दिया है। निर्वाचन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराए जाने, आम शांति व्यवस्था बनाए रखने और लोक शांति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कार्रवाई की गई है। जिला दण्डाधिकारी द्वारा यह आदेश भी जारी किया गया है कि त्रिस्तरीय पंचायत उप निर्वाचन क्षेत्रों में शस्त्र धारक अपने शस्त्र निकटतम थाने में तत्काल जमा कराएं। निर्वाचन की मतगणना के बाद सभी लाइसेंस स्वमेव ही बहाल होंगे और इसके बाद ही शस्त्र धारक थाने से अपने शस्त्र वापस ले सकेंगे। यह आदेश जिले में कार्यरत मजिस्ट्रेट, पुलिस बल, अन्य शासकीय सुरक्षा बल और राष्ट्रीयकृत बैंकों के लाइसेंस धारी सुरक्षा गार्डों पर लागू नहीं होंगे।

शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थल पर निकलना प्रतिबंधित

पंचायत के उप निर्वाचन में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला दण्डाधिकारी ने निर्वाचन वाले क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के शस्त्र लेकर लोगों का सार्वजनिक स्थलों पर जाना प्रतिबंधित कर दिया है। जिला दण्डाधिकारी ने इस संबंध में दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 (1) व (2) के तहत आदेश भी जारी कर दिया है। जारी किए आदेशानुसार कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का शस्त्र तलवार, फरसा, भाला, लाठी, चाकू, छुरा, कुल्हाड़ी, गुप्ती, त्रिशूल, खुखरी, सांग, वल्लभ या अन्य अस्त्र-शस्त्र लेकर सार्वजनिक स्थानों पर नहीं निकलेगा। इस आदेश से शासकीय कर्त्तव्य पर तैनात शस्त्रधारी अधिकारी-कर्मचारी को छुट होगी। यह आदेश 22 जनवरी 2022 तक प्रभावशील होगा।

रैली व जुलूस निकालना भी प्रतिबंधित : जिला दण्डाधिकारी ने इस अवधि तक उप निर्वाचन क्षेत्रों में बगैर अनुमति के आमसभा या जुलुस निकालना भी प्रतिबंधित कर दिया है।

शिविर में 40 लोगों ने किया रक्तदान

चांपा/नवप्रदेश। छग निषाद सहारा व्यवस्था परिवार एवं केवट समाज चांपा परिक्षेत्र और धरम ब्लड बैंक के संयुक्त प्रयास से प्रथम छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज छात्रवृत्ति वितरण और विशाल रक्तदान शिविर केराझरिया चांपा के सामाजिक भवन में आयोजित किया गया। जिसमे 20 लोगों ने रक्तदान किया ओर 40 लोगों ने अपना ब्लड ग्रुप चेक करवाया। निषाद सहारा व्यवस्था परिवार ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुवे समाज के बच्चों के लिए शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में प्रथम राज्य स्तरीय निषाद (केवट) समाज छात्रवित्ती परीक्षा का आयोजन 14 मार्च 2021 को कराया जिसमें सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के 23 जिलों में 100 से भी अधिक परीक्षा केंद्र बनाए थे। जिसमें 1500 से भी अधिक बच्चों ने परीक्षा मे सम्मिलित हुए थे जिसमें प्रत्येक कक्षा 9वी से 12 वी के प्रथम 8 बच्चों को पुरुस्कार और सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया साथ साथ ही साथ उत्कृष्ठ और निः स्वार्थ सहयोग प्रदान करने वाले 50.परीक्षा प्रभारी और आर्थिक दानदाताओं का भी सम्मान किया गया। छात्रवित्ती परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहे बच्चे इस प्रकार है कक्षा 9 वी में शिवम कैवर्त गाँव कटंगी जिला बलौदा बाजार, कक्षा 10 वी में राजेश्वरी निषाद गाँव चिखलाकसा जिला राजनांदगाव, कक्षा 11 वी में

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पिछले धान का हिसाब...

धान की नीलामी करनी पड़ी थी। साथ ही यह निर्णय भी लेना पड़ा था कि बचे हुए धान को हाथियों को खिलाने के लिए वन विभाग को भी दिया जाएगा। इन 15 से 20 मीट्रिक टन धान को उठाने के लिए राज्य के राईस मिलर्स पर भी काफी दबाव बनाया गया था लेकिन फिर भी यह धान नहीं उठ पाया था। सवाल यही है कि जब तक पिछले वर्ष की अंमित रिपोर्ट नहीं प्रकाशित की जाती तब तक नए धान की क्षतिपूर्ति दिया जाना तर्कसंगत होगा क्या। राज्य सरकार की मंशा निश्चित रूप से किसानों के हित में है और किसानों को नुकसान न हो इस बात पर सरकार संवेदनशील दिखाई दे रही है, लेकिन सरकार की संवेदनशीलता सिस्टम में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों के लिए वरदान न साबित हो इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है कि जैसे ही मुख्यमंत्री ने घोषणा की है सभी जिलों में संग्रहण एजेंसी ने एक फरमान जारी कर दिया है कि जिन किसानों को धान संग्रहण के लिए टोकन दे दिया गया था वो कम से कम चार दिन बाद की तारीख में धान जमा करें। इसी तरह बड़ी मात्रा में जिनकों धान जमा करना है उन्हे आधी मात्रा में धान लाने को कहा गया है। यह किसके निर्देश पर किया गया है इसकी जानकारी नहीं दी जा रही है। क्या राज्य सरकार ने यह आदेश भी जारी किया है कि धान की खरीदी चार दिन तक स्थगित रख दी जाएं और किसान जितना धान लाना चाहता है उसका आधा ही लाएं। इसी तरह की कार्यवाहियों से यह आशंका पैदा हो रही है कि 15 लाख मीट्रिक टन धान का हिसाब किताब न दे पाने वाली एजेंसी कहीं राज्य सरकार के क्षतिपूर्ति के निर्देशों में अपना उल्लू को नहीं सीधा कर रही।

कोविशील्ड वैक्सीन को ...

दुनिया की सबसे बड़ी वैक्सीन निर्माता कंपनी है। कंपनी को 2021 की शुरुआत में भारत में कोविशील्ड के आपातकालीन इस्तेमाल के लिए मंजूरी दी गई थी।

सीएम ने कहा - विभाजन ...

होगी कि हाड़ मांस का बना ऐसा व्यक्ति भी कोई था।विवेकानंद ने शिकागो में धर्म संसद में कहा था कि हम विश्व के सभी धर्मों को स्वीकार किया है, हमने सताए हुओं को अपने यहां स्थान दिया है. विवेकानंद को विवेकानंद बनाने में छत्तीसगढ़ की माटी का भी अहम योगदान है।

विभाजन के लिए जिन्ना और सावरकर जिम्मेदार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि ÷ईश्वर से अछूता कोई नहीं, हम सब उसी के अंश हैं, हम अहिंसा के राह पर चलते हैं। गांधी जी ने छत्तीसगढ़ के सुंदरलाल शर्मा को अपना गुरू कहा था, गांधी जी ने सबसे बड़ा जो काम किया है वो है श्रम का सम्मान. मेहनत का सम्मान। सीएम भूपेश ने कहा कि आज हमारी सरकार गांधी के रास्ते पर चल रही है और धर्म के नाम पर लोगों को बांटने वाले गोडसे और सावरकर की राह पर चल रहे हैं।देश विभाजन के लिए गांधी नहीं जिन्ना और सावरकर जिम्मेदार हैं।

14 दिन के न्यायिक...

उर्फ़ अभिजीत सराग पर राजद्रोह की धारा जुड़ने से अब मामले की सुनवाई सेशन कोर्ट में होगी। गौरतलब है कि गुरूवार को जेएमएफसी चेतना ठाकुर की कोर्ट में खजुराहो से गिरफ्तार कालीचरण महाराज को पेश किया गया था। अदालत ने कल उन्हें दो दिन की पुलिस रिमांड पर जेल दाखिल किया था।

पति के साथ रहने पर ...

बहुविवाह की संस्था को सहन तो किया जाता है लेकिन प्रोत्साहित नहीं किया जाता. इसके तहत किसी पति को अपनी पत्नी को किसी अन्य महिला के साथ मिल जुलकर रहने के लिए मजबूर करने का मूलभूत अधिकार नहीं मिल जाता÷ साथ रहना अन्यायपूर्ण ना हो गुजरात हाई कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के एक हालिया आदेश का भी संदर्भ दिया जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा था कि यूनिफॉर्म सिविल कोड संविधान में बस एक उम्मीद बनकर नहीं रहना चाहिए. समान नागरिक संहिता या यूनिफॉर्म सिविल कोड देश के सभी नागरिकों के लिए एक जैसा कानून लागू करने का विचार है, जिसे सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी जरूरी बताती है. गुजरात हाई कोर्ट में जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस नीरल मेहता की खंडपीठ ने कहा कि शारीरिक संबंधों की पुनर्स्थापना का अधिकार सिर्फ पति के अधिकारों पर निर्भर नहीं करता है और परिवार न्यायालय को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि महिला को पति के साथ रहने के लिए मजबूर करना अन्यायपूर्ण तो नहीं होगा

समक्ष श्रीमान नोटरी महोदय कांकेर, तहसील-कांकेर, जिला उत्तर बस्तर कांकेर
शपथकर्ता- दसरू राम पिता श्री शिवनाथ जाति तेली, निवासी तेलगरा तहसील चारामा, जिला उत्तर बस्तर बस्तर कांकेर छ.ग.

शपथ-पत्र

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्य निष्ठा से शपथपूर्वक निम्नकथन करती हूं कि -

1. यह कि मेरा नाम पता उपरोक्तानुसार है।
2. यह कि डिस्चार्ज बुक में लिपकीय त्रुटिवश मेरी पुत्री का नाम नीतु एवं जन्म तारीख 19.10.2001 एवं मेरे पुत्र का नाम व जन्म तारीख Niraj Sahu एवं 10.11.1999 दर्ज किया गया है, जो कि असत्य है।
3. यह कि मेरे पुत्री का वास्तविक नाम व जन्म तारीख नीतू साहू/ 16.10.2001 है, एवं मेरे पुत्र का वास्तविक नाम Neeraj Kumar Sahu एवं जन्म तारीख 20.08.1999 है।
4. यह कि मैं अपने डिस्चार्ज बुक में अपने पुत्री/पुत्र का वास्तविक नाम एवं जन्म तारीख दर्ज करवाना चाहती हूं।
5. यह कि उक्ताशय का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रही हूं।

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

सत्यापन :- मैं उपरोक्त शपथकर्ती सत्य निष्ठा से शपथपूर्वक सत्यापित करती हूं कि शपथ पत्र की लेख कंडिका 1 से 5 तक में दी गई जानकारी सत्य एवं सही है और दिनांक 20.10.2021 को समक्ष गवाह के हस्ताक्षर कर सत्यापित किया है।

सत्यापनकर्ता के हस्ताक्षर
दसरूराम

न्यायालय नजूल अधिकारी
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)
रा.प्र.क्र. 202112160100023
अ-20(3) 2020-21

ईश्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री श्रीमन यादव पिता बलराम यादव जाति राउत निवासी दंतेवाड़ा नगरीय क्षेत्र दंतेवाड़ा वार्ड के तहसील दंतेवाड़ा जिला दंतेवाड़ा मोबाइल नं. 9425592661को ग्राम दंतेवाड़ा प.ह.नं. 03 तहसील दंतेवाड़ा जिला दंतेवाड़ा स्थित शासकीय भूमि खसरा नं. 179/1 रकबा 1.4140 हेक्टे. में से 200 वर्गमीटर भूमि आवासीय प्रयोजनार्थ व्यवस्थापन/ बंटन किए जाने संबंधी प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो आपत्ति के स्पष्ट कारणों को उल्लेख करते हुए स्वयं या अपने मान्य प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 12.01.2022 का कार्यालयीन समय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

नियत तिथि पश्चात प्रस्तुत आपत्ति/ अभ्यावेदन इस न्यायालय द्वारा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 28.12.2021 को जारी किया जाता है।

सील
नजूल अधिकारी
दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा

न्यायालय नजूल अधिकारी, मुंगेली (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र.क/वा/नजूल/2021 मुंगेली, दि. 17.12.21
श्री पंकज तिवारी पिता स्व. श्री रामशरण तिवारी
निवासी सरदार पटेल वार्ड मुंगेली
तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.)... आवेदक
बनाम
छ.ग. शासन ... अनावेदक

इस सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता हैं क इस न्यायलय में आवेदक श्री पंकज तिवारी पिता स्व. श्री रामशरण तिवारी, निवासी मोहल्ला सरदार पटेल वार्ड मुंगेली, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) द्वारा स्वतः उपस्थित होकर नगर मुंगेली के मोहल्ला पुराना बस स्टैण्ड मुंगेली स्थित नजूल भूमि शीट नंबर 38-ए, प्लाट नं. 23, क्षेत्रफल 24 व.मी. भूमि जिसका नजूल कर निर्धारण किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में प्रकरण विचाराधीन है। किसी व्यक्ति, संस्था या उपरोक्त भूमि पर हक रखने वालों को किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति हो तो वे दिनांक 11.01.2022 को दिन के. 02.00 बजे इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने मुख्त्यार/ अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना लिखित दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार करना संभव नहीं होगा।

आज दिनांक 17.12.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(तीर्थराज अग्रवाल)
सील
नजूल अधिकारी,
मुंगेली (छ.ग.)

न्यायालय नजूल अधिकारी, मुंगेली (छ.ग.)

ईश्तहार

क्र.क/वा/नजूल/2021 मुंगेली, दि. 17.12.21
श्री पंकज तिवारी पिता स्व. श्री रामशरण तिवारी
निवासी सरदार पटेल वार्ड मुंगेली
तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.)... आवेदक
बनाम
छ.ग. शासन ... अनावेदक

इस सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि इस न्यायलय में आवेदक श्री पंकज तिवारी पिता स्व. श्री रामशरण तिवारी, निवासी मोहल्ला सरदार पटेल वार्ड मुंगेली, तहसील व जिला मुंगेली (छ.ग.) द्वारा स्वतः उपस्थित होकर नगर मुंगेली के मोहल्ला पुराना बस स्टैण्ड मुंगेली स्थित नजूल भूमि शीट नंबर 38-ए, प्लाट नं. 24, क्षेत्रफल 12 वर्गमीटर भूमि का नजूल कर नवीनीकरण की अवधि वर्ष 31.03.2020 को समाप्त हो जाने के कारण पुनः नवीनीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किाय गया है।

उपरोक्त संबंध में प्रकरण विचाराधीन है। किसी व्यक्ति, संस्था या उपरोक्त भूमि पर हक रखने वालों को किसी प्रकार की दावा/ आपत्ति हो तो वे दिनांक 11.01.2022 को दिन के. 02.00 बजे इस न्यायालय में स्वतः अथवा अपने मुख्त्यार/ अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना लिखित दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त किसी प्रकार की दावा आपत्ति पर विचार करना संभव नहीं होगा।

आज दिनांक 17.12.2021 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

(तीर्थराज अग्रवाल)
सील
नजूल अधिकारी,
मुंगेली (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड बिलासपुर (छ.ग.)
:: ऑन लाईन निविदा आमंत्रण सूचना ::

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन बिलासपुर की ओर कार्यपालन अभियंता एवं सदस्य सचिव, जिला जल एवं स्वच्छता मिशन द्वारा एकीकृत पंजीयन व्यवस्था के अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नांकित कार्य हेतु प्रपत्र ''अ'' (प्रतिशत दर) ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।

सिस्टम क्रमांक	निविदा क्र. दिनांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	धरोहर राशि
89586	222/27.12.2021	बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा के ग्राम चपोरा में जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह ग्राम नल जल प्रदाय योजना	67.59	51500
89583	223/27.12.2021	बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा के ग्राम कलमीटार में जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह ग्राम नल जल प्रदाय योजना	67.65	51000
89588	224/27.12.2021	बिलासपुर जिले के विकासखण्ड कोटा के ग्राम रानीगांव में जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह ग्राम नल जल प्रदाय योजना	131.76	99500

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छ.ग. शासन के ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 03.01.2022 सुबह 10.30 बजे से उपलब्ध है तथा दिनांक 21.01.2022 समय 17.30 बजे तक बीड डाले जा सकते हैं एवं अन्य विवरण कार्यालीयन समय पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड बिलासपुर (छ.ग.) में देखे जा सकते हैं।

जी-66320/7

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग मुंगेली संभाग मुंगेली (छ.ग.)
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक-5096/NIT-5/2021-2022/व.ले.लि./ मुंगेली, दिनांक 27/12/2021
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 05/01/2022 अपरान्ह 05.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 10/01/2022 अपरान्ह 05.30 बजे तक
निविद खोलने की तिथि :- 11/01/2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे

एनआईटी क्र. (6) (T0090 To T0110) कार्य का नाम/ NoOf Calls (स.क्र.1 से 3 तक द्वितीय आमंत्रण स.क्र. 4 से 21 तक प्रथम आमंत्रण निविदाकारों की श्रेणी (समस्त कार्यों हेतु ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ')	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में) बैंक साल्वेंसी (रु.में) निविदा प्रपत्र की कीमत (रु.में) कार्य अवधि
लोरमी उपसंभाग अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेंपरिंग कार्य	15.00 11250.00 225000.00 750.00 03 माह
लोरमी उपसंभाग अंतर्गत गैर-आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेंपरिंग कार्य	15.00 11250.00 225000.00 750.00 03 माह
विश्राम गृह के सामने तरफ स्थित गार्डन का रिनोवेशन कार्य	9.99 7500.00 149850.00 750.00 02 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत-गैर-आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेंपरिंग कार्य	20.00 15000.00 300000.00 750.00 03 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत आवासीय भवनों में रंगाई पोताई एवं डिस्टेंपरिंग कार्य	20.00 15000.00 300000.00 750.00 03 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत न्यायालयीन कार्यालय में रंगाई पोताई एवं डिस्टेंपरिंग कार्य	10.00 7500.00 150000.00 750.00 02 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर-आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत/विशेष मरम्मत/लघुमूल गौण कार्य	20.00 15000.00 300000.00 750.00 03 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत पथरिया/सरगांव सेक्सन के मार्गों एवं पुल पुलियों का विशेष मरम्मत, मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य	15.00 11250.00 225000.00 750.00 03 माह
लोरमी उपसंभाग अंतर्गत मुंगेली/जरहागांव सेक्सन के मार्गों एवं पुल पुलियों का विशेष मरम्मत, मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य	15.00 11250.00 225000.00 750.00 03 माह
लोरमी उपसंभाग अंतर्गत मार्गों एवं पुल पुलियों का विशेष मरम्मत, मजबूतीकरण एवं चौड़ीकरण कार्य	20.00 15000.00 300000.00 750.00 03 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत सरगांव सेक्शन के विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	15.00 11250.00 225000.00 750.00 03 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत पथरिया सेक्शन के विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	15.00 11250.00 225000.00 750.00 03 माह
मुंगेली उपसंभाग अंतर्गत मुंगेली एवं जरहगांव सेक्शन के विभिन्न मार्गों में डब्ल्यू.एम.एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	20.00 15000.00 300000.00 750.00 03 माह
वर्ष 2021-22 के वार्षिक संधारण मद अंतर्गत पेटी बाजार सप्लाई कार्य	5.00 3750.00 75000.00 750.00 01 माह
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में 10 बिस्तर पुरूष वार्ड अटैच शौचालय, स्नानागार एवं डाक्टर कक्ष का निर्माण कार्य	15.69 11768.00 235350.00 750.00 2 माह 15 दिन
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पथरिया में 10 बिस्तर महिला वार्ड अटैच शौचालय, स्नानागार एवं डाक्टर कक्ष का निर्माण कार्य	13.78. 10335.00 206700.00 750.00 2 माह 15 दिन
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरगांव में 10 बिस्तर पुरूष वार्ड अटैच शौचालय, स्नानागार एवं डाक्टर कक्ष का निर्माण कार्य	15.69 11768.00 235350.00 750.00 2 माह 15 दिन
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरगांव में 10 बिस्तर महिला वार्ड अटैच शौचालय, स्नानागार एवं डाक्टर कक्ष का निर्माण कार्य	13.78 10335.00 206700.00 750.00 2 माह 15 दिन
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोरमी में 10 बिस्तर पुरूष वार्ड अटैच शौचालय, स्नानागार एवं डाक्टर कक्ष का निर्माण कार्य	15.69 11768.00 235350.00 750.00 2 माह 15 दिन
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लोरमी में 10 बिस्तर महिला वार्ड अटैच शौचालय, स्नानागार एवं डाक्टर कक्ष का निर्माण कार्य	13.78 10.335.00 206700.00 750.00 2 माह 15 दिन
न्यू ब्लैक स्पॉट शिवपुर, रेहुंटा मोड़ एवं झाफल मोड़ का उन्नयन कार्य	11.38 8535.00 170700.00 750.00 02 माह

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-66282/3

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग
मुंगेली संभाग मुंगेली (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सरोरा रोड, उरला इंडस्ट्रियल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर फ्लैट नंबर 103, प्रथम तल, वर्मा एग्जोटीका, सर्किट हाउस के सामने बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- प्रमोद शर्मा*
डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन नंबर : 9165929029

पर्यटकों को बुला रहीं कवर्धा की हसीन वादियां

दूर-दराज व दूसरे प्रदेशों के सैलानी भी पहुंचे

जितेंद्र नामदेव/कवर्धा

पहाड़ों की सूरत बदलने लगी है। कवर्धा की हसीन वादियां पर्यटकों को बुला रही हैं। नए साल को लेकर पर्यटकों में उत्साह है। सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं। कवर्धा की हसीन वादियां छत्तीसगढ़ के सबसे सुंदर पर्यटन स्थलों में एक है। इन पहाड़ियों में फिर एक बार प्रकृति और जिंदगी मुस्कुराने लगी है। पर्यटन स्थलों तक लोग पहुंच रहे हैं। नए साल के आने को लेकर पर्यटकों में उत्साह नजर आ रहा है। पर्यटन की बदलती तस्वीर ने लोगों को फिर से जिंदगी के साथ जोड़ना शुरु कर दिया है। लंबे समय तक जिले के पर्यटन स्थल सैलानियों से अछूते थे। दरअसल, पिछले दो सालों में कोरोना संक्रमण की वजह से पर्यटन स्थल सुनसान थे, परंतु अब फिर एक बार यहां पर रौनक नजर आने लगी है। परिस्थितियां बदलने के साथ ही पर्यटन स्थलों की जिंदगी धीरे-धीरे पटरी पर लौटी है। बड़ी संख्या में लोग नए साल का जश्न मनाने के लिए कवर्धा पहुंचे हैं। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के साथ ही दूसरे प्रदेशों के सैलानियों को भी कवर्धा की हसीन वादियां खींच लायी है।

रिसार्ट हुए 3 दिन पहले से बुक

पर्यटन मंडल के पास 12 से अधिक रिसार्ट हैं। इसमें कबीरधाम जिला के रिसार्ट भी शामिल है। जहां कई रिसार्ट में इस वक्त 30, 31 और एक जनवरी 2022 के लिए ज्यादातर कमरे बुक हो चुके हैं। रिसार्ट की बुकिंग पर्यटन मंडल की वेबसाइट से आनलाइन भी कर सकते हैं। इस साल कोरोना महामारी के केस कम होने के कारण सैलानियों छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों पर ज्यादा पहुंच रहे हैं। हर साल जहां नए साल के आगमन के पहले ही लोग मौज मस्ती और पिकनिक मनाने जुट जाते थे। वहीं, इस बार ज्यादातर लोग निर्धारित व कम संख्या में पिकनिक स्पॉट पर पहुचंना पंसद कर रहे हैं। जिले के ज्यादातर पिकनिक स्पाटों में पर्यटकों का आगमन भी शुरू हो चुका है।

आसपास ही कई घूमने लायक जगह

जिले के आसपास बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव व अन्य जिलों से लोग घूमने के लिए आते हैं। इसके अलावा विदेशी पर्यटक भी यहां आते है, और सैर सपाटे का खूब आनंद उठाते हैं। सैर सपाट का आनंद लेने के लिए शहर के आसपास ऐसी ढेरों जगह है, जो नए साल पर घूमने लायक और मनोरंजक भी है। इस स्थानों में धार्मिक, प्राकृतिक और ऐतिहासिक महत्व की जगह है। यह सभी ऐसी जगह है, जहां बारिश के दिनों को छोड़कर वर्षभर दूर-दूर से पर्यटकों का आना-जाना लगा रहता है।

सरोधा दादर

जिला मुख्यालय से 46 किमी दूर कवर्धा चिल्फी मार्ग में मैकल की चोटी पर यह दर्शनीय स्थल स्थित है। यहां सरोधा दादर रिसोर्ट का निर्माण किया गया है। सैलानी यहां पहाड़ों की सुंदरता, सूर्यास्त के दुर्लभ दृश्य, पल-पल बदलते मौसम व बादलों का आनंद लेने आते हैं। यह स्थल ट्रेकिंग के लिए उपयुक्त बताया जाता है। राज्य और जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य शासन द्वारा पर्यटकों के लिए कॉटेज का निर्माण किया गया है। न इसके ठीक नजदीक बैगा रिसार्ट और पीडाघाट रिसोर्ट बना है, जो पर्यटन के लिहाज से बहुत अच्छी जगह है। शहर के कोलाहल से दूर और प्रकृति के बीच नया साल मनाने के लिए काफी अच्छा माहौल उपलब्ध होगा। सरोधादादर से करीब 25 किमी दूर बहेराखार जलाशय स्थित है।

विरासत पचराही के अनोखे दृश्य

बोडला से 12 किमी दूर हॉफ नदी का मनोरम तट इस बात का गवाह है कि यहां हजारों वर्ष पूर्व मानव सभ्यता पल्लवित और पुष्पित थी। पचराही आज न केवल देश वरन विदेशों में भी चर्चा को केन्द्र बिन्दु है। पचराही में उत्खनन के बाद विशालकाय भवनों, मंदिरों और प्राचीन मूर्तियों के अवशेष मिले हैं। हाफनदी के एक ओर पचराही और दूसरी ओर जैन तीर्थ बकेला स्थित है।

रानीदहरा जलप्रपात

बोडला से 10 किलोमीटर दूर रानीदहरा जलप्रपात पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। रानीदहरा के नाम से ही इसकी सुंदरता झलकती है। इसके नाम का अर्थ पहाड़ों की रानी होता है। पहाड़ी से निरंतर पानी झरता रहता है, जो पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहां पहुंचने के लिए बोडला से पक्की सड़क बनी हुई है।

दुरदुरी जलप्रपात

भोरमदेव अभ्यारण में सुंदर घाटियां और पहाड़ स्थित है। इसके पूर्वी भाग में दुरदुरी जलप्रपात है। यह कवर्धा जिले की जीवनदायिनी कही जाने वाली सकरी नदी का उद्यम स्थल है। कल-कल बहती पानी की धार लोगों को सहज ही आकर्षित करता है। दुरदुरी जलप्रपात से पानी कुछ दूरी तक अभ्यारण के अंदर बहती है। दुरदुरी जलप्रपात का पानी अभ्यारण में रहने वाले वन्य प्राणियों के लिए अमृत है। कवर्धा शहर से होते हुए दुरदुरी जलप्रपात का पानी शिवनाथ नदी में मिल जाती है।

सरोदा बांध

शहर के शोरगुल से दूर जलाशय के आसपास वातावरण हमेशा शांत रहता है। यहां एकांत की अनुभूति होती है। सरोदा जलाशय के आसपास का क्षेत्र सौंदर्य से भरपूर है। यहां लोग कई मौके पर पिकनिक और छुट्टियां मनाने के लिए भी आते हैं। कवर्धा शहर से आठ किलोमीटर दूर सरोदा जलाशय पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण स्थान है। शाम का नजारा देखते ही बनता है। सनसेट पाइंट के रूप में विकसित हो चुका है। इसका निर्माण वर्ष 1963 में किया गया था। यह जलाशय उतानी नाला को बांधकर बनाया गया है। यहां साल भर सैलानियों का आना जाना लगा रहता है।

छत्तीसगढ़ का खजुराहो - भोरमदेव मंदिर

शहर से 18 किमी दूर छत्तीसगढ़ का खजुराहो के नाम से जाना जाने वाला भोरमदेव मंदिर है। मैकल पर्वतों और प्रकृति के बीच भोरमदेव मंदिर की छंटा निराली दिखाई देती है। मंदिर परिसर में शिव, दुर्गा भैरव और हनुमान का मंदिर प्राचीन पाषाण मूर्तियां का संग्रह भी है। वैसे तो सालभर यहां लोगों का आना-जाना लगा रहता है, लेकिन मौका खास हो तो इसका अलग ही मजा है। नए साल मनाने के लिए भोरमदेव मंदिर से अच्छा स्थान दूसरा और नहीं हो सकता है। पर्यटन के लिहाज से भोरमदेव लोगों को काफी आकर्षित करता है। नववर्ष पर यहां मनोरंजन के लिए बहुत कुछ है। 11वीं सदी में निर्मित यह मंदिर ग्राम छपरी के पास घाटियों पर है। भोरमदेव मंदिर से आधा किमी दूरी पर चैरा ग्राम के समीप पत्थरों से निर्मित शिव मंदिर है। ऐसी जनश्रुति है कि इस मंदिर में विवाह संपन्न कराए जाते रहे हैं। मंदिर के बाह्य दीवारों पर मिथुन मूर्तियां बनी हुई है। गर्भगृह का द्वार काले चमकदार पत्थरों से बना हुआ है। मंडवा महल की इस सुंदरता के कारण ही वर्षभर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। नए साल का स्वागत करने के लिए यह स्थान बहुत अच्छा माना जा रहा है। विवाह मंडप के रूप में प्रयुक्त होने के कारण मंडवा महल कहा जाता है।

छेरकी महल: यह महल भोरमदेव मंदिर से महज आधे किलोमीटर पर स्थित है। भोरमदेव आने वाले पर्यटकों को छेरकी महल सहज ही आकर्षित करता है। नववर्ष मनाने वालों के लिए यह बेहतर विकल्प है। भोरमदेव मंदिर समूह का एक मंदिर है, जिसके आकर्षक पत्थर के चैखट और भित्ती चित्र बने हैं। प्राचीन काल से अब तक बकरों की गंध से भरी रहती है, जो किसी कौतुहल से कम नहीं है।

छीरपानी जलाशय

मध्यम परियोजना के तहत बनी बांध की सुंदरता देखते ही बनती है। यहां हर साल पिकनिक मनाने के लिए सैकड़ों लोग पहुंचते है। बोडला से महज सात किमी दूरी पर छीरपानी जलाशय स्थित है। बांध की ऊंचाई 46.12 मीटर है। इसका विस्तार 1020.98 एकड तक फैला हुआ है। इस जलाशय का निर्माण अगस्त 1999 को हुआ था।

आस्था का केंद्र चरणतीरथः वहीं 30 किमी दूर ग्राम तरेगांव में चरणतीरथ पर्यटन स्थित है। यदि आप नए साल मनाने के लिए धार्मिक स्थल की खोज कर रहे हैं तो चरणतीरथ उस पर खरा उतरती है। कहा जाता है कि चरणतीरथ में भगवान श्रीराम की चरणपादुका है, इसके ऊपर चट्टानों से पानी रिसकर गिरता रहता है। यही वजह है कि इसे चरणतीर्थ का नाम दिया गया।

निकाय चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जीत है न कि एक व्यक्ति विशेष की : गौतम

बीजापुर/नवप्रदेश। भोपालपटनम नगर पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी के क्षेत्रीय विधायक, मंत्री, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं के मेहनत से ही हर वार्डों में भाजपा को परास्त किया। ये जीत कांग्रेस पार्टी की सामूहिक जीत है न कि एक व्यक्ति विशेष की।

सांसद प्रतिनिधि एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि नगर पंचायत चुनाव का प्रचार प्रारंभ होते ही विधायक विक्रम मंडावी ने प्रचार की कमान अपने हाथों में ले ली साथ ही जिले के पदाधिकारियों को 15 वार्डों की जवाबदेही तय कर दी। जिला पंचायत अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष शंकर कुड़ियम व कमलेश कारम हर वार्डों की सतत निगरानी का दायित्व सौंपा। जिला पंचायत सदस्य सरिता चापा, बसंत ताटी एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष द्वय निर्मला मरपल्ली एवं अनिता तेलम को महिला मतदाता को पार्टी के पक्ष में मतदान करने कमान सौंपी। जिले व ब्लॉक के पदाधिकारियों में ब्लॉक सांसद प्रतिनिधि वेणु गोपाल राव साथ ही पदाधिकारी ज्योति कुमार, सालिक नागवंशी, टी गोवर्धन राव, चिनक्का, मिच्चा समैया, मड़े अशोक, पेरे फुलैया जनपद पंचायत उपाध्यक्ष मिच्चा, मुतैया, सदस्य सुनील गुरला, सुनील उइके, जी सत्यम, अनीस खान, शेरु खान, वहाब कल्लुरी के साथ ही युवा कार्यकर्ताओं ने पार्टी के जीत के लिए दिन रात मेहनत की। प्रभारी मंत्री कवासी लखमा ने नगर पंचायत चुनाव में आते ही निष्क्रिय वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरीश पामभोई को सक्रिय किया जिससे कि पार्टी पहले की अपेक्षा और दमदार हो गई। लखमा के दो दिवसीय चुनावी दौरे को विधायक ने प्रचार में ऐसा भुनाया की विपक्ष हक्का बक्का रह गया। पहले नगर पंचायत में भाजपा के 12 पार्षद थे, सभी में कांग्रेसी पार्षद विजयी रहे। अजयराज पामभोई के साथ हमने मेहनत की जिसका परिणाम सबके सामने है। सारिका पामभोई ने वार्ड क्रमांक-12 व 8 की कमान संभाली, जितने भी कार्यकर्ताओं ने प्रत्याशी के प्रचार करते थे। वे शाम के समय जिला अध्यक्ष लालू राठौर, चुनाव प्रभारी यशोवर्धन राव को रिपोर्ट करते थे। दोनों ही गोपनीय रुप से पूरे वार्ड पर पैनी नजर रखे हुए थे। इसी प्रकार सभी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तन मन से पार्टी के लिए समर्पित होकर कार्य किया जिसका परिणाम नगर पंचायत में भाजपा का सूफड़ा साफ हो गया। नगर पंचायत चुनाव में कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के साथ ही मंत्री, विधायक एवं पदाधिकारियों की सामुहिक मेहनत की जीत है न कि इसमें किसी एक व्यक्ति विशेष की जीत है। नगर पंचायत के सभी मतदाताओं के आभारी हैं जिन्होंने कांग्रेस पार्टी पर अपना भरोसा जताया।

55 आरक्षकों को मिला प्रमोशन, एसपी-एएसपी ने फीता लगातार दी पदोन्नति

रायगढ़/नवप्रदेश। पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ नवा रायपुर द्वारा राज्य के सभी जिलों में माह सितम्बर 2021 से आरक्षक से प्रधान आरक्षक तथा प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नति के लिए पुलिसकर्मियों की चरणबद्ध रूप में परीक्षा ली थी जिसमें शारीरिक एवं लिखित परीक्षा उत्तीर्ण कर पीपी कोर्स (प्रमोशन कोर्स) कर अपने-अपने जिलों में वापस आये पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षकों द्वारा पदोन्नति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में जिले के 48 आरक्षक एवं 07 महिला आरक्षक प्रमोशन कोर्स कर जिले में आमद आने पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक मीणा एवं एडिशनल एसपी लखन पटले द्वारा पुलिस कार्यालय में आरक्षकों को लाल फीता लगाकर पदोन्नति दी। एसपी द्वारा पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षकों को शुभकामनाएं देकर आज का पूरा दिन परिवार के साथ बिताने छुट्टी दी गई। पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षकों को रक्षित केन्द्र से जल्द ही थाना, चौकियों में पदस्थ किया जाएगा जिससे विवेचकों की संख्या थाने में बढ़ेगी। थानों में पदस्थ इन प्रधान आरक्षकों से अपराध, शिकायत, मर्ग के निकाल में उत्तरोत्तर बढोत्तरी होगी, साथ ही कानून व्यवस्था बनाये रखने में विशेष रूप से सहायक होंगे।

कलेक्टर ने धान उपार्जन केन्द्रों का किया निरीक्षण

- बारिश से धान की सुरक्षा के लिए कैप कव्हर से ढंकने के दिए निर्देश

राजनांदगांव/नवप्रदेश। कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम सुकुलदैहान एवं खैरागढ़ विकासखंड के ग्राम अमलीपारा के धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने समिति प्रबंधकों से बारिश से धान की सुरक्षा के लिए कैप कव्हर से ढंकने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि धान खरीदी की व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने धान उपार्जन केन्द्रों में ड्रेनेज की समुचित व्यवस्था का समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को धान विक्रय करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लघु एवं सीमांत किसानों का धान प्राथमिकता के साथ पहले खरीदें। किसानों को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने धान खरीदी केन्द्र में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने धान के उठाव तथा बारदाने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने वहां धान तौलाई, कांटा-बांट, पेयजल, रखरखाव एवं अन्य व्यवस्था की निरीक्षण किया तथा किसानों से बात कर व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। किसानों ने धान खरीदी की व्यवस्था के प्रति संतोष जाहिर किया। इस अवसर पर एसडीएम लवकेश ध्रुव उपस्थित थे। गौरतलब है कि जिले में आकस्मिक रूप से हुई बारिश से धान को बचाने के लिये हरसंभव प्रयास एवं उपाय किये जा रहे हैं। कलेक्टर स्वयं लगातार धान खरीदी केन्द्रों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। धान उपार्जन केन्द्रों तथा संग्रहण केन्द्रों में कैप कव्हर से धान के स्टैक सुरक्षित किये गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा धान की सुरक्षा के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। धान की खरीदी के साथ ही धान के उठाव का कार्य लगातार जारी है। राईस मिलर्स एवं ट्रांसपोटर्स द्वारा अवकाश के दिनों में भी धान का उठाव सतत किया जा रहा है।

डिरेल हुई मालगाड़ी : इंजन के पहिए धंस गए जमीन पर, हावड़ा-मुंबई रूट की ट्रेनें प्रभावित

बिलासपुर (नवप्रदेश)। जोनल स्टेशन के यार्ड में एक मालगाड़ी कोयला लेकर अनूपपुर जा रही थी। गाड़ी बिलासपुर स्टेशन के आउटर में पहुंची थी तभी शुक्रवार की सुबह करीब 7.45 बजे हावड़ा-मुंबई रूट में इंजन बेपटरी हो गई। पटरी से उतरते है इंजन के पहिए जमीन में धंस गए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के जोनल मुख्यालय में हावड़ा-मुंबई मिडिल लाइन में शुक्रवार की सुबह कोयला लोड मालगाड़ी डिरेल हो गई। इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। मगर इस घटना के बाद 6 से अधिक यात्री ट्रेनें प्रभावित हो गई है। 08745 गेवरा-रायपुर ट्रेन को रद्द कर दिया गया है। गोंदिया-झारसुगड़ा को भाटापारा के बाद रद्द कर दिया गया है। इसके साथ ही मुंबई-हावड़ा, हमसफर एक्सप्रेस, ज्ञानेश्वरी, आजाद हिंद डेढ़ से दो घंटे विलंब से चल रही है।

इस घटना की सूचना रेलवे के कंट्रोल रूम को दी गई। जैसे ही हूटर बजा अधिकारी से लेकर कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सभी आनन-फानन में मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि घटना क्रॉस पाइंट में होने के कारण कटनी सेक्शन व मेन लाइन दोनों की गाड़ियां प्रभावित है। रेलवे यहां इंजन को उठाकर यातायात दुरुस्त करने में जुट गई है। मौके पर तीन क्रेन की मदद से मालगाड़ी के इंजन को पटरी पर चढ़ाने जुटे हुए हैं। शाम तक यातायात व्यवस्था बहाल होने की उम्मीद की जा रही है।

ये गाड़ियां हुई प्रभावित

- मुंबई-हावड़ा मेल 8.30 बजे रवाना हुई।
- हमसफर एक्सप्रेस बिलासपुर स्टेशन से 8.47 बजे रवाना हुई।
- ज्ञानेश्वरी स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 10.40 बजे रवाना हुई।
- आजाद हिंद एक्सप्रेस 10. बजे बिलासपुर स्टेशन से रवाना हुई।
- साउथ बिहार एक्सप्रेस को 10.40 बजे गंतव्य के लिए रवाना किया।
- अहमदाबाद एक्सप्रेस को 12.30 बजे पैसेंजर बनाकर रवाना किया गया।
- बिलासपुर-इंदौर एक्सप्रेस को 45 मिनट विलंब से रवाना किया जाएगा।

इन ट्रेनों को किया गया रद्द

1 गोंदिया-झारसुगड़ा पैसेंजर को भाटापारा में रद्द कर दिया गया। यह गाड़ी भाटापारा से गोंदिया के लिए वापस हो गई।

2 विशाखापट्टनम-कोरबा लिंक एक्सप्रेस को पैंसेजर बनाकर रवाना किया गया। इसी तरह वापसी में यह गाड़ी कोरबा से बिलासपुर तक लोकल बनकर चलेगी।

3. गेवरा-रायपुर पैसेंजर को बिलासपुर में रद्द कर दिया गया। इसे बिलासपुर से वापस गेवरा के लिए रवाना किया जाएगा।

4. गेवरा-इतवारी ट्रेन को अब बिलासपुर से रवाना किया जाएगा।